'' राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना''

जागरुकता अभियान सप्ताह

'' राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना''

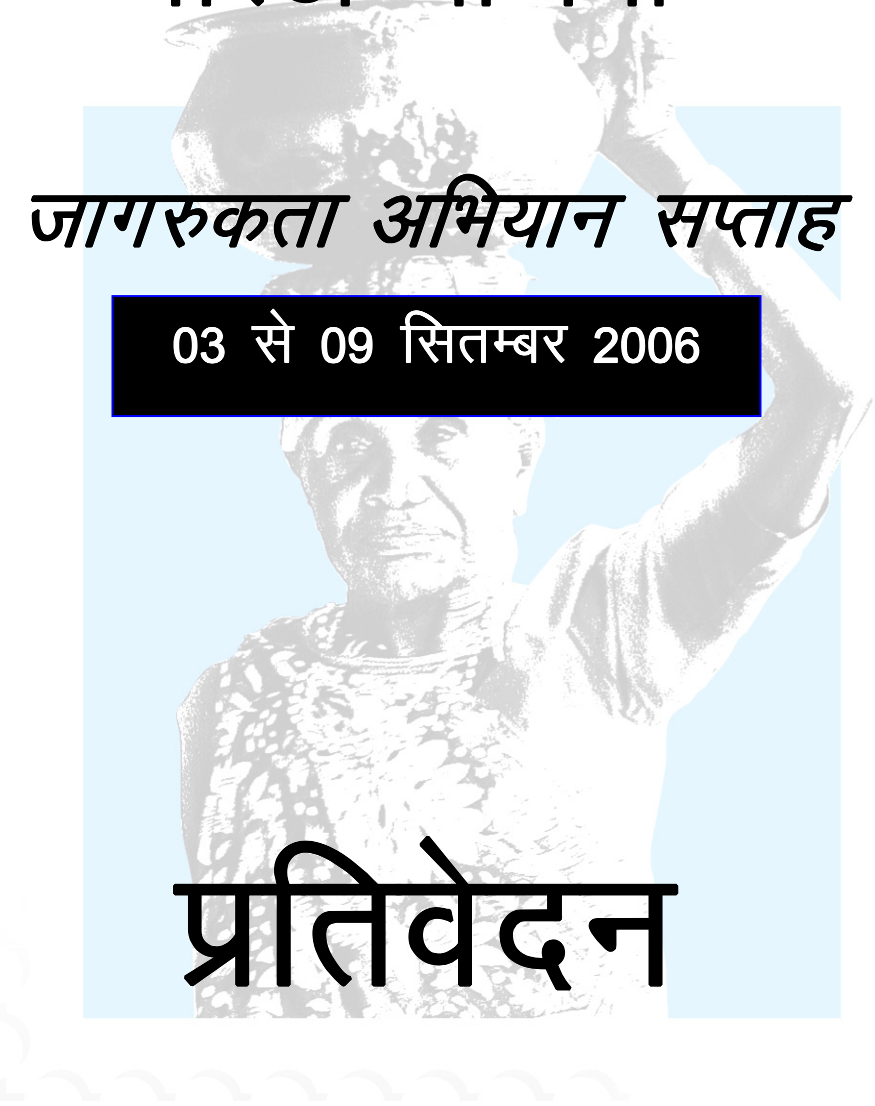

जागरुकता अभियान सप्ताह

03 से 09 सितम्बर 2006

प्रतिवेदन

पैक्स कार्यक्रम ,मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना

के संबंध में मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के पैक्स सहयोगी संस्थाओं द्वारा चलाए गए

रोजगार गारंटी सप्ताह (3 से 9 जुलाई)

का संक्षिप्त विवरण

पृष्ठभूमि –

भारत सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के माध्यम से काम के अधिकार को मान्यता दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। फिलहाल 2 फरवरी 2006 से यह योजना देश के 200 जिलों में लागू की गई है । जिसे अगले पॉच वर्षो में देश के सभी जिलों में लागू कर देने का संकल्प अधिनियम में ही व्यक्त किया गया है । पैक्स कार्यक्रम की सहयोगी संस्थाएं जो इस योजना द्वारा कवर किए गए जिलों में कार्यरत हैं,, ने लोगों में इस योजना के प्रमुख विन्दुओं के बारें में जागरुकता बढ़ाने तथा लोगों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना सप्ताह मनाया।

इस सप्ताह के अर्न्तगत पैक्स की सहयोगी संस्थाओं द्वारा मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की 45 ब्लॉक के अंर्तगत आने वाली लगभग 1466 ग्राम पंचायतों के 3064 गॉवों में लोगों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित व जागरुक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की। पैक्स कार्यक्रम की इन दो राज्यों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के बारें में जागरुकता बढ़ाने के पीछे सोच न केवल जमीनी चुनौतीयों व हकीकत को नीति नियन्ताओं तक पहॅुचाने के लिए है वरन् पूरी व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित करने के लिए सकारात्मक प्रयासों को भी ध्यान में रखने की भी रही है।

व्यापक स्तर पर पैक्स की सहयोगी संस्थाएं राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना सप्ताह के अर्न्तगत इस योजना के विभिन्न हितग्राहियों के बीच योजना की बेहतर समझ के लिए सम्मेलन, बैठकें, रैली, पोस्टर प्रर्दशन, प्रचार प्रसार माध्यमों का उपयोग आदि गतिविधियां आयोजित की गई। इस कार्यक्रम मे सूचना और जानकारियों के प्रसार हेतु नुक्कड़ नाटक, पंच सरपंच सम्मेलन, के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना की जागरुकता व कार्यक्रम की प्रगति के बारें में जानकारी हासिल करने के लिए परिवारों के सर्वे के माध्यम से तथ्य संकलन आदि किया। समुदाय स्तर पर जागरुकता तथा स्व सहायता समूहों के मुद्दों को उठाने के लिए पंचायत व ग्राम स्तर पर सम्मेलन व रैलियों का आयोजन किया गया।

पैक्स के मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में सक्रिय सहयोगी संस्थाओं द्वारा इस जागरुकता सप्ताह के दौरान की गई गतिविधियों और उभरे मुद्दों का संक्षिप्त विवरण इस प्रतिवेदन के साथ दिया जा रहा है।

उद्देश्य

इन दोनों प्रदेशों में व्यापक स्तर पर चलाए गए इस राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना जागरुकता सप्ताह अभियान का प्रमुख उद्देश्य तो यही रहा कि इस योजना के बारें में ग्रामीणों को जागरुक किया जाए और गरीबों को रोजगार गारंटी योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा सके। फिर भी मोटे तौर पर इस जागरुकता अभियान के निम्न उद्देश्य तय किए गए –

ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना के बारें में लोगों को जागरुक करना।

इस योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक जानकारियों को एकत्र कराना और उसे राज्य एंव राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाना।

योजना के का लाभ गरीबों को मिल सके , इसके लिए उन्हें प्रेरित करना।

योजना क्रियान्वयन में लगे विभाग व पंचायतों को इस योजना का लाभ गरीबों के पक्ष में करने के लिए संवेदित करना।

अभियान का भौगोलिक क्षेत्र–

यह अभियान मध्यप्रदेश व छत्तीस गढ़ के 18 जिलों (मध्यप्रदेश के 15 तथा छत्तीसगढ़ के 3) में संचालित किया गया। इस अभियान के माध्यम से हम 45 ब्लॉकों के करीब 1450 गॉवों में अपनी बात पहुॅचा पाए। इस दौरान बीस हजार से ज्यादा परिवारों से हमने सम्पर्क किया।

अभियान के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियां – राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना को और ज्यादा प्रभावी बनानें लिए इस अभियान तहत निम्न गतिविधियॉ की गई ।

सर्वे
जन संपर्क , आपसी चर्चा
जागरुकता कार्यक्रम
नुक्कड नाटक
आम सभा
सम्मेलन
पंच / सरपंच सम्मेलन
जन सुनवाई
जागरुकता यात्रा
कार्यशाला
स्व सहायता समूह की रैली
प्रचार प्रसार
पम्पलेट वितरण
गॉव स्तरीय सभा

पोस्टर लगाना
रेडियो अनाउन्समेंट द्वारा प्रचार प्रसार
ग्राम स्तरीय समूहों का सम्मेलन
साईकिल रैली
गीत
नारे
घर – घर जाकर सम्पर्क।
समूह बैठके
ग्राम का भ्रमण व चर्चा
विडियो ग्राफी, ।
ढोंढी पीटकर सूचना
कार्यस्थल पर मजदूरों से चर्चा
महिला एवं पुरूषों के साथ बैठक
पदयात्रा,
जनसभाएं,
छोटी – बड़ी बैठकें,
जन जागरण

सर्वे

इस जागरुकता अभियान के दौरान राष्ट्रीय रोजगार गांरटी योजना के बारें में जमीनी वस्तु स्थिति को पता करने के लिए हर गॉव में सर्वेक्षण के माध्यम से कुछ परिवारों से जानकारी ली गई।

जन सम्पर्क

अभियान के दौरान जन सम्पर्क पर सबसे ज्यादा जोर रहा। जन सम्पर्क के दौरान गॉव के अलग – अलग टोले , फलिए में घर – घर जाकर लोगों से सम्पर्क किया गया और लोगों को इस योजना के बारें में जानकारी दी गई। जन सम्पर्क के दौरान ही लोगों के जॉब कार्ड तथा कितने दिनों के लिए काम मिला है, किस प्रकार का काम हुआ है आदि जानकारियां ली तथा दी गई।

प्रचार प्रसार

अभियान के दौरान प्रचार प्रसार के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के प्रावधानों के बारें में विस्तार के साथ ग्रामीणों को जानकारी दी गई। इसके लिए गॉव में ढोंढी पिटवाना, पोस्टर , पम्पलेट , दिवार लेखन , नारे, गीत, लाउडस्पीकर, वीडियों शों, आदि माध्यमों का सहारा लिया गया।

नुक्कड़ नाटक

जागरुकता अभियान के दौरान सबसे आर्कषक कार्यक्रम नुक्कड़ नाटको की प्रस्तुति रही। संस्थाओं ने स्थानीय भाषा / बोली में रोजगार गांरटी के प्रमुख प्रावधानों के बारें में नुक्कड़ नाटक तैयार करके उनकी प्रस्तुतियां गॉवों में ग्रामीणों के बीच की। जिसका काफी प्रभाव रहा । लोगों ने इसके

माध्यम से अपने लिए कार्यस्थल पर सुविधाओं को जाना और रोजगार गारंटी के तहत किए जाने वाले कार्यों को समझा।

सम्मेलन

गॉवों में कार्यरत संस्थाओं ने गॉव में गठित महिलाओं के स्व सहायता समूहों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा अन्य सामुदायिक संगठनों के सम्मेलन इस अभियान के अर्न्तगत आयोजित किए। इन सम्मेलनों में ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के बारें में जानकारी दी गई । साथ ही इस योजना का लाभ लेने के लिए व इसमें भ्रष्ट्राचार अनियमिताओं के लिए सामुहिक पहल की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

बैठकें

गॉव स्तरीय अलग – अलग समूहों के साथ इस अभियान के दौरान अनेको बैठके आयोजित की गई। इन छोटी व बड़ी बैठको में खुल कर विस्तार पूर्वक इस योजना की आवश्यकता , इससे हमारें जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव व ग्राम पंचायत की इसमें भूमिका के बारें में बात की गई। इस प्रकार की गई बैठके काफी प्रभावी रही। आदिवासी , दलितों व महिलाओं के लिए अलग – अलग आयोजित इन बैठकों के दौरान उनके सवालों का जबाव दिया गया और उनके समक्ष आने वाली दिक्कतों को रेखंकित करते हुए सरकारी कर्मचारियों , अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। इन बैठकों में उभरे मुद्दों को मीडिया के माध्यम से उठाया गया।

रैली व यात्रा

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना अभियान के दौरान लोगों को इस योजना के बारें मे जानकारी देने के लिए रैली व यात्राओं का आयोजन किया गया। इसके अर्न्तगत पदयात्राएं, साईकिल यात्रा व विभिन्न समूहों की रैली आयोजित की गई। बाजारों तथा प्रमुख स्थानों पर की गई रैली व सभाओं का उपयोग लोगों को इस योजना की बारीकियों के बारें में जानकारी देने के लिए किया गया।

अभियान के दौरान उभरे प्रमुख मुद्दें –

हालांकि इस अभियान के दौरान उभरे सभी मुद्दों को शामिल करना और उनको रेखांकित करना कठिन है किन्तु फिर भी संस्थाओं द्वारा वर्णित प्रतिवेदनों के आधार पर कुछ प्रमुख मुद्दें इस प्रकार उभरे–

जानकारी का अभाव–

रोजगार गारंटी योजना के संबंध में सरकार द्वारा प्रचार–प्रसार किया गया, किन्तु यह जानकारी गॉव के प्रभावी व्यक्तियों तक सिमट कर रह गई है। अभी भी कई लोगों को रोजगार गारंटी योजना की पूर्ण जानकारी नही है। जानकारी के इस अभाव को पंचायत प्रतिनिधि भी पूरा करने में कोई रुचि नहीं रखते। उन्हें लगता है कि ज्यादा जानकारी होने पर गॉव के लोग ज्यादा सवाल करेगे। वहीं सरपंच की उपस्थिति के कारण ग्रामीणों में एक डर सा बना हुआ था कि अधिक मुद्दे उठायेंगे तो पंचायत हमें काम देना बंद न कर दे। ऐसे में जानकारियों के अभाव का कम बना हुआ है।

हमारे इस अभियान के दौरान यह बात स्पष्ट रुप से उभर कर सामने आयी कि गाँव वालों को रोजगार गारंटी योजना की जानकारी नही के बराबर है। लोगों को पता नही कि जो काम उन्हें

मिल रहा है। वह किस योजना के तहत् मिल रहा है। इसमें क्या सुविधाएँ है, जॉबकार्ड का क्या महत्व है। योजना में उनकी भागीदारी किस हद तक है, तथा वे इसके लिए क्या कर सकते है।

गाँव में जिन लोगों का शिक्षा का स्तर बेहतर है वे लोग इस योजना संबंधित बाते सहजता से समझ गये, परन्तु इस गाँव में अभी भी पंचायत से जुड़े लोगों व प्रभावशाली लोगों का ही इस योजना के क्रियान्वयन पर नियंत्रण है। मजदूर वर्ग की इसमें भागीदारी नही के बराबर है। पंचायत कर्मी सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी ग्रामीणों तक नही पहुंचाते है। केवल काम होने पर एक दिन पूर्व सूचित कर बुलाते है। इस संबंध में उप सरपंच का कहना है कि लोग आम सभा में नही आते है।

लगभग सर्वेक्षित सभी गाँव में योजना का प्रचार–प्रसार नही है सिर्फ ग्रामीणों को पंचायत काम दे रही है। यह जानकारी है। परन्तु वे नही जानते है कि यह काम किस योजना के तहत् दिया जा रहा है। तथा इसमें क्या–क्या सुविधाएँ मिलनी चाहिये। लोगों को तो यहॉ तक नहीं पता कि यह मॉग आधारित योजना है जिसमें रोजगार की मॉग उन्हें करनी है। लोग तो काम खुलने का इंतजार करते हैं जिसका निर्णय सरकारी कर्मचारी करते हैं।

सुविधाओं का अभाव –

हालाकि इस योजना मे यह स्पष्ट कहा गया है कि काम के स्थान पर जरूरत की सभी सुविधाये मुहैया कराई जायेगी जैसे कि पानी की सुविधा दवा बच्चों के लिए पालना घर, कार्य के लिए उपयोगी उपकरण, छायादार जगह आदि किन्तु कहीं भी इस प्रकार की सुविधाएं कार्यस्थल पर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। एक तो लोग इन सुविधाओं के बारें में जानते ही नहीं , जो जानते भी हैं उनके कहने पर कोई असर नहीं होता।

भुगतान में देरी–

लगभग सभी जगहो पर जहॉ हम अभि यान के दौरान पहॅुचे , लोगों ने बताया कि इस योजना के तहत किए गए का र्य के भुगतान में देरी होती है। कई जगहों पर तो तीन तीन महिने तक लोगों को किए गए कार्य का भुगतान नहीं हुआ है।

कई जगहों पर इस भुगतान में देरी टास्क रेट पर किए गए का र्य का मूल याकंन न होने की वजह से हुआ है जिसका कारण यह बता या जाता है कि सरकारी विभागों में उतने कर्मचारी नहीं है जो स्पॉट पर जाकर कार्य का मूल्यांकन कर सके।

तो कई स्थानों पर समय पर पैसा नहीं आने की वजह से भी भुगतान में देरी होती है।

अनियमितता–

हमारे इस अभियान के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के क्रियान्वयन में अनियमितताएं देखने को मिली। अधिकांश जगहों पर जॉब कार्उ या उस पर फोटों लगाने के नाम पर ग्रामीणों से पैसे बसूले गए। कई गॉवों में लोगों ने शिकायत की कि उनका जॉब कार्ड तो बना है पर वह सरपंच या सचिव के पास ही रखा है।

जॉब कार्ड पर इंट्री में भी घालमेल किया जा रहा है। कार्य के भुगतान में भी अनिमितता बरती जा रही है। निघार्रित दर से कम मजदूरी तो आम बात है । कार्य के दिन जॉब कार्ड पर ज्यादा चढ़ा कर कम दिन की मजदूरी दी गई। कई जगहों पर यह भी शिकायत आयी है कि हलांकि गॉव में अधिकांश परिवारों का जॉब कार्ड बन चुका है लेकिन सरपंच / सचिव अपने निकट के लोगों को ही काम पर लगाते है। ग्राम सभा को भी इस योजना में तवज्जों नहीं दी जा रही है।

कर्मचारियों का असहयोग–

पंचायत सचिव से लेकर जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तक लोगों को इस योजना में पर्याप्त सहयोग नहीं कर रहें है। सरकारी कर्मचारी इस योजना को अन्य योजनाओं की तरह ही संचालित करना चाहते हैं जिसमें ग्रामीणों को केवल मजदूर ही माना जा रहा है जबकि इस योजना के तहत गॉव के लोगों को रोजगार देने के साथ ही गॉव में ढांचागत व्यवस्थाएं भी खड़ा करना उद्‌देश्य है। ग्रामीणों की भागीदारी काम तय करने में नही की जाती वरन उन्हें तो केवल काम बताया जाता है । सरकारी कर्मचारी लोगों को जागरुक करने के लिए कोई खास पहल नहीं कर रहें है।

कार्य की प्राथमिकता –

मध्यप्रदेश के अधिकांश गॉवों में ग्रम विकास का पॉच साल का पर्सपेक्टिव प्लान बनाया गया है। साथ ही इस योजना में कहा गया है कि 50 प्रतिशत तक काम गॉव की पंचायत द्वारा किया जाएगा पर काम तय करने में स्थानीय लोगो की कोई भागीदारी नहीं बन पा रही है। कई गॉवों मं तो जिस चीज की आवश्यकता नहीं थी उस पर ही काम हुआ है जबकि ग्रामीणों के लिए आवश्यक संरचनाओं के बारें में कोई काम नहीं किया गया।

जो सरपंच प्रभावशाली है उसके गॉव में काम मिला है पर जो सरपंच प्रभाव का इस्तेमाल नहीं कर पा रहें हैं उन्हें काम नहीं मिला। कई गॉवा में तो किसी खास मजरे टोले में बहुत काम हुए पर दूसरी जगहो पर काम नही हो पाया।

बरसात में काम बंद कर दिया गया जबकि मॉग आधारित इस योजना में स्पष्ट उल्लेख है कि मॉगें जाने पर लोगो को कार्य उपलब्ध कराए।

अन्य उभरे मुद्‌दें –

अभियान के दौरान अन्य मुद्‌दें जो प्रमुखता से उभर कर सामने आए । उनमें सबसे पहली बात तो यही थी कि इस योजना के क्रियान्वयन के तहत विकलांग, वृद्धों तथा महिलाओं को काम देने में आना कानी की जा रही है। जबकि योजनामें स्पष्ट कहा गया है कि उन्हें प्राथमिकता के आधार पर काम दिया जाए।

इसी तरह महिलाओं को उनके काम के लिए कम मजदूरी के भुगतान का मामला कई स्थानों पर सामने आया।

मशीनों का उपयोग इस योजना के अर्न्तगत प्रतिबंधित है पर कई गॉवों में लोगों ने कहा कि उनके यहॉ मशीनों का उपयोग किया जा रहा है।

रोजगार गांरटी के बावजूद गॉवों से पलायन नहीं रुका है।

ग्राम स्तरीय कामों के लिए निगरानी समितियों का या तो गठन ही नहीं हुआ है या वे सक्रिय नहीं है। उन्हें सक्रिय करने का भी कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है ।

गॉव में रोजगार गांरटी के तहत काम खोलने के समय को लेकर भी लोगों का कहना है कि जब खोती का समय होता है तो रोजगार गांरटी के भी काम खोल दिए जाते हैं जिससे लोग या तो अपनी खेती के काम को छोड़ते हैं या इस योजना के तहत काम नहीं कर पाते। जबकि अधिनियम में कहा गया है कि काम उस समय दिए जाने चाहिए जब लोग चाहे।

संलग्नक – एक

संस्थाओं द्वारा की गई गतिविधियां व उभरे मुद्दें –

संस्था का नाम	जिला	पंचायत / गॉव	गतिविधि	मुद्दें	टिप्पणी
आशाग्राम ट्रस्ट, बड़वानी	बड़वानी	सेमल्दा	जागरुकता कार्यक्रम नुक्कड नाटक	रोजगार गारंटी योजना के संबंध में सरकार द्वारा प्रचार–प्रसार किया गया। किन्तु यह जानकारी गाँव के प्रभावी व्यक्तियों तक सिमट कर रह गई है। अभी भी कई लोगों को रोजगार गारंटी योजना की पूर्ण जानकारी नही है।	
	बड़वानी	भमोरी	आम सभा की सूचना आम सभा	सरपंच की उपस्थिति के कारण ग्रामिणों में एक डर सा बना हुआ था कि अधिक मुद्दे उठायेंगे तो पंचायत हमें काम देना बंद न कर दे।	
	बड़वानी	सेमल्दा डेब, भमोरी, हतोला, कोयडिया, सजवाय, सुराना, बजट्टा,, बांदरकच्छ, उचावद, बिलवा डेब	जन संपर्क	गाँव वालों को रोजगार गारंटी योजना की जानकारी नही के बराबर है। इन्हें पता नही कि जो काम उन्हें मिल रहा है। वह किस योजना के तहत् मिल रहा है। इसमें क्या सुविधाएँ है, जॉबकार्ड का क्या महत्व है। योजना में उनकी भागीदारी किस हद तक है। तथा वे इसके लिए क्या कर सकते है।	
	बड़वानी	हतोला	नुक्कड नाटक	गाँव में शिक्षा का स्तर बेहतर होने से लोग योजना संबंधित बांते सहजता से समझ गये, परन्तु इस गाँव भी पंचायत कर्मियों एवं उनके सह मित्रों का इस योजना के क्रियान्वयन पर नियंत्रण है। मजदूर वर्ग की भागीदारी नही के बराबर है।	
	बड़वानी	बजट्टा	नुक्कड नाटक	लगभग पुरा गाँव मजदूरी पर निर्भर है। किसानों के पास जमीन सीमित व असिंचित है। जिससे किसानों को भी मजदूरी करनी पडती है। पंचायत कर्मी सरकारी योजनाओं की पुरी जानकारी ग्रामिणों तक नही पहुंचाते है। केवल काम होने पर एक दिन पूर्व सूचित कर बुलाते है।	
	बड़वानी	सुराना	आम सभा	गाँव का शैक्षणिक स्तर बेहतर होने से गाँव में योजना संबंधित जागरुकता है। परन्तु इस योजना कि जानकारी पंचायत एवं	

				प्रभावी व्यक्तियों तक ही सीमित है। इस संबंध में उपसरपंच का कहना है कि लोग आम सभा में नही आते है।	
	बड़वानी	कोयडिया	नुक्कड नाटक	नुक्कड नाटक के पश्चात् योजना की जानकारी मिलने पर ग्रामिणों में पंचायत कर्मियों के प्रति एक अक्रोश था। उनमें योजना के बारे में ओर अधिक जानने की उत्सुकता थी। जिसके चलते आशाग्राम टीम को ग्रामिणों ने घेर कर रोजगार गारंटी संबंधित जानकारी ली। साथ ही अपनी समस्याएँ भी बतलाई।	
	बड़वानी	सेमल्दा डेब, भमोरी, हतोला, कोयडिया, सजवाय, सुराना, बजट्टा,, बांदरकच्छ, उचावद, बिलवा डेब	सर्वे	लगभग सर्वेक्षित सभी गाँव में योजना का प्रचार–प्रसार नही है सिर्फ ग्रामिणों को पंचायत काम दे रही है। यह जानकारी है। परन्तु वे नही जानते है कि यह काम किस योजना के तहत् दिया जा रहा है। तथा इसमें क्या–क्या सुविधाएँ मिलनी चाहिये।	
जागृति सेवा संस्थान , अभनपुर	राजनंदगॉव	कौड़ीकसा , करमतरा ,	सम्पर्क , आपसी चर्चा	गव से पलायन अभी भी स्थिति ज्यों का त्यों है । योजना अर्न्तगत छुट – पुट हुए कार्यों की भुगतान में एक माह से ज्यादा विलम्ब होता है ।	
	राजनंदगॉव	गोपलीनचुवा , जिर्राटोला , बड़ेकलकसा , कौड़ीकसा , नेतामटोला , गोटुलमुण्डा , हितकसा, बोईडीह , करमतरा , खुर्सीरिकुल	सर्वेक्षण	नेतामटोला, अरजकुण्ड पंचायत का आश्रित ग्राम है जहां पर किसी भी परिवार को जाब कार्ड नही दिया गया हैं । योजना के तहत कियान्वित कार्यों में महिला मजदूरों की संख्या 50ः हैं । सभी 100 परिवारों में 85ः लोगों ने काम की मांग किया । सभी 10 ग्रामों में 15–20 दिनों तक कि योजना के तहत कार्य किया गया हैं । मजदूरी का भुगतान काफी लेट एक माह से ऊपर समय लगना बताए । कार्य स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा का नही होना । बच्चों के लिए छायादार झोपड़ी नही होना । बीमा के बारे में पता नही । आदि – आदि प्रश्न शैली से मुख्य रूप से आया ।	

	राजनंदगॉव	देवरसौर	सम्मेलन	बेरोजगारी भत्ता कैसे और कब मिलेगा, यदि तो हम क्या कर सकते हैं।	
	राजनंदगॉव	गोपलीनचुवा	पंच / सरपंच सम्मेलन		
	राजनंदगॉव	पथराटोला , नेतामटोला , अरजकुण्ड	जन सुनवाई S.H.G रैली	एक वर्ष में 100 दिन का कार्य देगी कब कैसे देगी हमें इस योजना में भरोंसा नही हैं।	
	राजनंदगॉव	करमतरा	सभा जन सुनवाई रैली		
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वीमन चाइल्ड एण्ड यूथ डेव्हलपमेंट	मण्डला	——	राजस्थान के डूगंरपुर जिले में आयोजित जागरुकता यात्रा में भागीदारी।		
	मण्डला		दो दिवसीय कार्यशाला		
	मण्डला		जल संरक्षण की संरचनाओं का निर्माण		
	मण्डला		सरपंच सम्मेलन / कार्यशाला		
संभव समाज सेवी संस्था	छतरपुर	मऊमशनिया	प्रचार प्रसार करने के लिए अभियान नुक्कड नाटक पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मेलन	1 जॉब कार्ड पर फोटो लगाने के लिए हम लोगों से 25 रूपये तक लिए गए। 2. काम की सही मजदूरी नही 50 रू. दी जा रही है। 3. मिट्टी को बहुत दूरी पर डलवाया जाता है जिसमें एक आदमी 3 दिन में एक खंती खोद पाता है। जिसमें 20 रू. के हिसाब से प्रतिदिन मिलता है। 4. सरपंच द्वारा काम के लिए औजार भी नही दिए जा रहे एवं वृद्ध और विकलांग लोगों को कोई काम नही मिल रहा है। 5. पीने को पानी एवं छाया व बच्चो को खेलने की भी कोई व्यवस्था नही है।	

	छतरपुर	पहाड़ी बावन पहाड़ी, सपौहा, अकौना, धौगुवां	प्रचार प्रसार करने के लिए अभियान नुक्कड नाटक स्व सहायता समूह की रैली	1. जॉब कार्ड पर फोटो लगाने के लिए हम लोगों से 20 रू. लिए गए। 2. काम की सही मजदूरी नही दी गई। 3. सरपंच द्वारा काम के लिए औजार नही दिये गये। 4. गांव में सरपंच के हितेषियो को ही काम दिया जा रहा है। 5. विकलांग व वृद्ध लोगो को भी काम नही दिया जा रहा है। 6. पीने के लिए पानी की व्यवस्था नही है एवं बच्चो को खेलने के लिए,काम पर दवाई की भी कोई व्यवस्था नही है।	
	छतरपुर	पहरा पुरवा	नुक्कड़ नाटक	1. जॉब कार्ड में फोटो का पैसा हम से लिया गया। 2. सरपंच द्वारा लगातार काम नही दिया जाता है । 3. सरपंच द्वारा कार्ड बनवाने के लिए 20रू. लिए गए। 4. सरपंच के द्वारा काम के लिए औजार नही दिये जातें है। 5. मुंह देख कर काम दिया जाता है 6. मजदूरी के रूप में 52रू. दिये जाते है। 7. वृद्ध व विकलांगो के लिए कोई काम नही दिया जाता है।	
	छतरपुर	धवाड़	नुककड़ नाटक	सरपंच एवं सचिव द्वारा फोटो एवं कार्ड के 20रू. लिए गए। सरपंच द्वारा मजदूरी 50रू. प्रतिदिन दी जाती है। सरपंच द्वारा काम के लिए औजार नही दिए जाते है। सरपंच द्वारा रोड पर दूर से मिट्टी डलवाने की बजह से एक खंती मिट्टी डालने में हमें दो से तीन दिन लग जाते है जिसका भुगतान हमें साठ रू. दिया जाता है। कार्यस्थल पर छाया, दवाईयां,शुद्ध पीने का पानी एवं झूला की भी व्यवस्था नही की जाती है।	
	छतरपुर	धौगुवां	नुक्कड़ नाटक	1.सरपंच द्वारा काम नही लगाया जा रहा । 2.लोग काम की तलाश में बाहर पलायन के लिये जा रहे है। 3.सरकारी अधिकारियो द्वारा इस योजना की कोई जानकारी नही दी गई। 4.सरपंच पंचायत सचिव ग्राम बराई निवासी है जो अपने गॉव में काम लगाये हुये है। 5.जोब कार्ड पर फोटो लगाने के लिये पैसा हम लोगो से लिया	

				है।	
	छतरपुर	महिलवार	नुक्कड़ नाटक	1– मजदूरी नियमित नही दी जाती 2– सरपंच अपने हितग्राहियो को काम पर लगाता है। 3– फोटो के 25रू0 लिये गये । 4– काम करने के दौरान छूला एवं दवा की व्यवस्था नही है। 5– लोगो के अभी भी जौब कार्ड सरपंच के पास है।	
	छतरपुर	अकौना	नुक्कड़ नाटक	1. लोगो को 50 रू0 मजदूरी दी जाती है। 2 पीने के पानी की व्यवस्था नही है 3. दवा की व्यवस्था नही है 4. लोगो से 25 रू0 फोटो के लिये गये 5. लोगो को समान मजदूरी नही दी जाती 6. बृघ्द एवं विकलांगो को मजदूरी नही दी जाती एवं झूला की व्यवस्था नही है ।	
	छतरपुर	सेंगरू	नुक्कड़ नाटक	1. सरपंच द्वारा काम के लिये औजार उपलब्ध ना कराना 2. सरपंच द्वारा अपने गुट के लोगो का काम देना 3. मजदूरी में भेदभाव पुरूषो को 50 रू0 महिलाओ को 40रू0। 4. विकलांग लोगो को कोई काम नही दिया जाता। 5. कार्य स्थल पर पानी,छाया, दवाई, बच्चो को झूला की व्यवस्था का ना होना	
	छतरपुर	सपौहा	नुक्कड़ नाटक	1. जॉब कार्ड में फोटो के पैसे हम लोगो से लिये गये 2. सरपंच द्वारा अपने हितेशियो को काम दिया जा रहा है। 3. काम के लिये औजार नही दिये जा रहे है। 4. मजदूरी के रूप में 50रू0 दिये जा रहे है। 5. कार्य स्थल पर कोई सुविधा नही मिल रही है। 6. विकलांग लोग एवं बृघ्द लोगो के लिये कोई काम नही दिया जा रहा है।	
	छतरपुर	ढोगी	नुक्कड़ नाटक	1. जॉब कार्ड बनवाने पर 20रू0 फोटो के लिये गये । 2. मजदूरी आज भी 50रू0 के हिसाब दी जा रही है।	

				3. सरपंच द्वारा अपने हितेशियो को काम दिया जा रहा है। 4. काम के लिये औजार घर से ले जाने पड़ते है। 5. कार्य स्थल पर कोई सुविधाये नही दी जा रही है। 6. हम विकलांग लोगो के लिये कोई काम नही दिया जा रहा है। 7. काम के लिये औजार अपने घर से ले जाने पड़ते है।	
उधेगिनी	मण्डला		प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	नियमानुसार मजदूरी का भुगतान नहीं होता है। कुछ लोगों को अभी तक कोई भुगतान नहीं हुआ। कुछ लोगों को जाफंब कार्ड नहीं मिला। अधिकतर लोगों को यह पता नहीं हैं कि उन्हें 100 दिन का रोजगार मिलेगा।	
	मण्डला	बारवती	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	समय से भुगतान नहीं होता है। पीने का पानी, बच्चें के लिए झूला घर जैसी सुविधाएं नही है। अधिकतर लोगों को यह पता नहीं हैं कि उन्हें 100 दिन का रोजगार मिलेगा।	
	मण्डला	जेवरा	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	एक महिना बीतने पर भी भुगतारन नहीं प्राप्त हुआ। सरपंच का कहना है कि सरकार की तरफ से पैसा नहीं आया। ज्यादातर लोगों को पता नहीं हैं कि क्या सुविधाएं मिलनी चाहिए।	
	मण्डला	बनार	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	लोगों को जब काम की जरुरत थी, उस समय उन्हें कोई काम नहीं मिला। अब खेती का समय है तो वे काम नहीं कर सकते। कुछ लोगों को जॉब कार्ड नहीं मिला। ज्यादातर लोगों को पता नहीं हैं कि क्या सुविधाएं मिलनी चाहिए।	
		सुखराम	रेडियो अनाउन्समेंट द्वारा प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय बैठक / सभा	कुछ लोगों को जॉब कार्ड नहीं मिला है तो किसी को काम नहीं। लोगों को 100 दिन रोजगार मिलेगा , इससे ज्यादा कोई जानकारी नहीं है। जिन लोगो ने काम किया है उसका इंजिनियर द्वारा मुल्यांकन न	

			पोस्टर लगाना	होने की वजह से पिछले दो महिनों से भुगतान नहीं हुआ है।	
		मुदादीन रैयत	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	जॉब कार्ड सचिव के पास है , उसका वितरण नहीं किया गया। कार्यस्थल पर सुविधाओं के बारें में नहीं जानते। 100 दिन का रोजगार नहीं मिला।	
		उमर डीह	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	नियमानुसार लोगो ंको काम नहीं मिला। 100 दिन रोजगार के अलावा किसी बात की जानकारी नहीं है। कुछ लोगों को उनके काम का भुगतान नहीं मिला।	
		दूनगरिया	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	अभी तक कुछ लोगो ंको ही जॉब कार्ड मिला है। रोजगार गारटी के तहत कोई काम नहीं हुआ। कुछ काम वन विभाग की तरफ से हुआ है। रोजगार गांरटी के बारें में विस्तार से जानकारी नहीं है।	
		खुकसर	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	नियमानुसार लोगो ंको काम नहीं मिला। 100 दिन रोजगार के अलावा किसी बात की जानकारी नहीं है। कुछ लोगों को जॉब कार्ड मिला है तो कुछ का जॉव कार्ड सचिव के पास है।	
		मुदाडीह माल	प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	जॉब कार्ड सचिव के पास है , उसका वितरण नहीं किया गया। कार्यस्थल पर सुविधाओं के बारें में नहीं जानते। 100 दिन का रोजगार नहीं मिला।	
लोक शक्ति	राजनंद गॉव		सम्मेलन	रोजगार गारंटी योजना के बारें में जानकारी नहीं है।	तीन स्थानों पर हुए इन सम्मेलनों में कुल 131 लोगों ने भागीदारी की।
			प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	रोजगार गारंटी योजना के बारें में जानकारी नहीं है। आवेदन क्या 50 लोगों से कम भी दे सकते है। गर्मी के दिनों में काम नहीं खोला , बरसात में काम खोला है।	
			प्रचार प्रसार पम्पलेट वितरण गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना		

			प्रचार प्रसार गॉव स्तरीय सभा पोस्टर लगाना	चौकी रोजगार गारंटी योजना के बारें में जानकारी नहीं है। आवेदन क्या 50 लोगों से कम भी दे सकते है। गर्मी के दिनों में काम नहीं खोला , बरसात में काम खोला है।	लोगों ने रोजगार हेतु ज्ञापन दिया।
				मोहलाः रोजगार गारंटी योजना के बारें में जानकारी नहीं है। आवेदन क्या 50 लोगों से कम भी दे सकते है। गर्मी के दिनों में काम नहीं खोला , बरसात में काम खोला है।	
				मानपुरः रोजगार गारंटी योजना के बारें में जानकारी नहीं है। आवेदन क्या 50 लोगों से कम भी दे सकते है। गर्मी के दिनों में काम नहीं खोला , बरसात में काम खोला है।	
तरुण संस्कार	मण्डला	ग्वारा मंगा टिकरिया घुधरी चुरिया सहजर बनियां सुरहली कुसमी छिवला टोला	ग्राम स्तरीय समूहों का सम्मेलन साईकिल रैली नुक्कड़ नाटक गीत नारे पोस्टर प्रचार प्रसार सामग्री का वितरण	पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि उन्हें भुगतान में देरी होती है। टास्क रेट से संबंधित समस्याए मात्र तक केवल 30 दिन का ही रोजगार उपलब्ध किया जा सका है। सहजर गॉव में पेंशन पाने वाले लोगों का जॉब कार्ड नहीं बनाया जा रहा है।	
		बीजा दाण्डी	रैली, बैठक, नुक्कड़ नाटक दिवार लेखन		
		गजराज	ग्राम स्तरीय बैठक		
		सलवाह	समूह चर्चा		
		डेबरी	एक दिन पूर्व सूचना दी गई। ग्राम स्तरीय विकास	ग्राम पंचायत द्वारा जानकारियां नहीं प्रदान किया गया। केवल कुछ खास लोगों को ही जानकारी दी गई।	इन बैठकों में 40 प्रतिशत तक महिलाओं ने भागरीदारी की।

		समिति, महिला स्व सहायता समूह व अन्य हितग्राहियों के साक्ष बैठके। प्रचार सामग्री का वितरण। चार छोठे समूहों में बैठकें।		
	बेरपानी	पंचायत प्रतिनिधियों के साथ चर्चा। ग्राम स्तरीय विकास समिति, महिला स्व सहायता समूह व अन्य हितग्राहियों के साक्ष बैठके करके रोजगार गांरटी के बारें में जानकारी दी गई। प्रचार सामग्री का वितरण। गाने , पोस्टर, चार्ट के माध्यम से जानकारियां दी गई।	पंचायत से कोई सूचना नहीं मिल पाती है। पिछले दो महिनों से रोजगार गारंटी के तहत काम किया है किन्तु अब तक कोई भुगतान नहीं मिला है। काम के कितने दिन बाद भुगतान मिल जाना चाहिए , इस बारें में जानकारी नहीं है।	गॉव के लोगों को कार्य के भुगतान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। समय पर भुगतान न मिलने की स्थिति में किए जाने वाले उपायों पर भी चर्चा की गई।
	पापरी खुर्द	घर – घर जाकर सम्पर्क। तीन समूह बैठके करके रोजगार गांरटी के बारें में जानकारी दी गई। प्रचार सामग्री का वितरण। गाने , पोस्टर, चार्ट के माध्यम से जानकारियां दी गई।	गॉव के किसी वार्षिक या पंच वर्षिय योजना के बारें में ग्रामीणों को जानकारी नहीं है। राशन की दुकान नियमित नहीं खुलती। गॉव में तालाब की जरुरत नही है। न ही इसके लिए भूमि ही उपलब्ध है फिर भी सरकार ने इसके लिए राशी क्यों भेजी।	गॉव में समझाईस दी गई कि यदि रोजगार गांरटी के बारें में सरपंच एक्शन नहीं लेता तो जनपद पंचायत में बात की जानी चाहिए।
	समरनपुर	घर – घर जाकर सम्पर्क। ग्राम स्तरीय विकास समिति, महिला स्व सहायता समूह व अन्य हितग्राहियों के साक्ष बैठके। प्रचार सामग्री का वितरण।	काम का भुगतान नियमित नहीं किया जा रहा है। भुगतान में देरी होने की वजह से साहुकार से कर्ज लेना पड़ता है। सरपंच और सचिव खुद ही सारी जानकारी रखते हैं, गॉव वालों को कोई जानकारी नहीं दी जाती है।	भुगतान समय पर न होने के खिलाफ जनपद पंचायत व कलेक्ट्रर से शिकायत की जा सकती है। ग्राम सभा के माध्यम से सरपंच सचिव पर दबाव

		दो छोटे समूहों में बैठकें।		बनाया जाए।
	ओरिया	ग्राम का भ्रमण व चर्चा नुक्कड़ नाटक का प्रर्दशन ग्राम स्तरीय विकास समिति, महिला स्व सहायता समूह व अन्य हितग्राहियों के साक्ष बैठके। प्रचार सामग्री का वितरण। दो छोटे समूहों में बैठकें।	पंचायत ने कार्ड बनवा दिया और बग़ैर कोई सूचना के उसे गॉव के लोगों में बॉट दिया। इस बारें में कोई और जानकारी नहीं दी गई। लोगों को मजदूरी दर भी नहीं पता है। किस प्रकार का क्या काम होना है , इस बारें में भी लोगाीं को जानकारी नहीं है।	गॉव में विघालय की दिक्कत है। लोगों को रोजगार गांरटी योजना के बारें में विस्तार से जानकारी दी गई।
	चितोरा	दिवार लेखन। ग्राम का भ्रमण व चर्चा। नुक्कड़ नाटक का प्रर्दशन ग्राम स्तरीय विकास समिति, महिला स्व सहायता समूह व अन्य हितग्राहियों के साक्ष बैठके। प्रचार सामग्री का वितरण। दो छोटे समूहों में बैठकें।	पंचायत द्वारा संचालित किसी योजना के बारें में ग्रामीणों को जानकारी नहीं है। पिछले एक महिनों से रोजगार गारंटी के तहत काम किया है किन्तु अब तक कोई भुगतान नहीं मिला है। काम के कितने दिन बाद भुगतान मिल जाना चाहिए , इस बारें में जानकारी नहीं है।	
	चौकी माल	उपरोक्त गतिविधियां	पंचायत का कोई परपेक्टिस प्लान नहीं। किए गए कार्य कास भुगतान समय पर नही। रोजगार गारंटी में वृद्वों को काम नहीं मिल रहा।	
	बनग्राम चौकी	उपरोक्त गतिविधियां	रोजगार गारटी के बारें में जानकारी नहीं है। गॉव से बाहर सदि काम के लिए जाना हो तो अतिरिक्त मजदूरी कितनी मिलेगी , इसकी जानकारी नहीं है। खेती बाड़ी के समय में खेत में काम करे या गारटी में ।	खेती के समय में रोजगार गांरटी के काम नहीं कराए जाए। यह योजना मॉग आधारित है पर इसमें भी पंचायत तय करती है कि कब काम होना है।

		देवरी	ग्राम का भ्रमण व चर्चा पंचायत प्रतिनिधियों व सचिव के साथ चर्चा । नुक्कड़ नाटक का प्रर्दशन ग्राम स्तरीय विकास समिति, महिला स्व सहायता समूह व अन्य हितग्राहियों के साथ बैठके। प्रचार सामग्री का वितरण। विडियो ग्राफी, ।	▪ टास्क रेट क्या है और इसका आकलन कैसे किया जाए। ▪ टास्क रेट के हिसाब से बेरोजगारी भत्ता कैसे मिलेगा। काम का भुगतान हप्ते में होगा या पखवारें में ।	▪ संस्था की टीम ने सरकार के सामने सुझाव रखा है कि वह मूलभूत काम के लिए दर निश्चित करे।
		सोधन पिपरिया	ग्राम का भ्रमण व चर्चा नुक्कड़ नाटक का प्रर्दशन ग्राम स्तरीय विकास समिति, महिला स्व सहायता समूह व अन्य हितग्राहियों के साथ बैठके। प्रचार सामग्री का वितरण। विडियो ग्राफी, ।	लोग इस योजना के बारें में बहुत कम जानकारी रखते है। राशन की दुकान नहीं खुलती है जिससे लोगों को मॅहगें दामों पर बाजार से राशन खरीदाना पड़ता है।	
		धनवाही	उपरोक्त	वृद्व व विकलांक लोग जो जमीन का काम नहीं कर सकते , उन्हें इस योजना से कैसे जोड़े। सस्ते दामों में राशन मिलें । इसके लिए राशन दुकान को नियमित कैसे करें।	
इंस्ट्टियुट फॉर सोशल सर्विस एण्ड रुरल डेवलेपमेंट	बैतुल	सेल्दा मेंडाखेड़ा खपरवाड़ी डुमकारैयत बोंदरी सीतल झिरीं चिरोटिया तारा	ढोंढी पीटकर सूचना बैठक रैली पोस्टर पम्पलेट वितरण दिवार लेखन कार्यस्थल पर मजदूरों से चर्चा	तीन गॉवों में भुगतान में अनियमितता	

		आवरिया धीसी बागला			
मार्गदर्शन संस्थान	सरगुजा	करगी डीह खालपोडी	ग्राम स्तरीय बैठक नुक्कड़ नाटक रैली	लोगों को योजना की मूलभूत जानकारी भी उपलब्ध नहीं करायी गई है।	
		उपर पौडी चिरगा	ग्राम स्तरीय बैठक नुक्कड़ नाटक रैली		
		अमगॉव करेसर ससौली डहोली बहेराडीही कराकी	ग्राम स्तरीय बैठक नुक्कड़ नाटक रैली		
सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था	बैतुल (भैंसदेही)	खापा गदरा झिरी गुन घाटी	बैठक रैली पम्पलेट वितरण	कम मजदूरी दी जाती है।	
		खोमई पिपलनाकलॉ पिपलना खुर्द खटगड पाटाखेड़ा साकली सुपाला	एस एच जी की महिलाओं को जानकारी दी रैली का आयोजन	कार्य स्थल पर कोई सुविधा नही है । सरपंच केवल अपने परिचितों को काम देता है।	
		नत्थु डाना अम्बाडा	एस एच जी की महिलाओं को जानकारी दी रैली का आयोजन	योजना के प्रावधानों के बारें में जानकारी नही है।	
		बोथी	एस एच जी की महिलाओं	भुगतान में देरी होती है ।	

		कोका ढाना	को जानकारी दी	समय पर कार्य का मूल्यांकन नहीं होता है ।	
		पाटादा टेमनी	रैली का आयोजन	भुगतान में देरी होती है । कार्यस्थल पर सुविधाएं नही है।	
		बडाली भुसखुम		काम ही प्रारम्भ नहीं किया गया।	
		बानूर		भुगतान में देरी होती है।	
		कोथल कुण्ड मालेगांछ झिरी उदामा काकडपानी	एस एच जी की महिलाओं को जानकारी दी रैली का आयोजन		
		धार हरिमऊ चिखला जोड़ी धाबा जनोना डेडंवा कुण्ड रैयतवाड़ी	एस एच जी की महिलाओं को जानकारी दी रैली का आयोजन पम्पलेट वितरण	काम के लिए मजदूरों को फावड़ा , गैती आदि स्वयं के पास से ले जाना पड़ता है ।	
सृजन समाज विकास समिति	मण्डला	खुर्सी पार	जानकारी का प्रसार पम्पलेट वितरण पोस्टर बैठक	जॉब कार्ड के बारें में जानकारी नहीं है। मजदूरी दर के बारें में अस्पष्टता।	
		भीम डोगरी	जानकारी का प्रसार पम्पलेट वितरण पोस्टर बैठक	दो महिनों तक काम के बावजूद भुगतान नहीं मिला है।	
		चन्द गॉव भाला पुरी सालीवाड़ा मोती नालाृ खलोडी खामरियां	जानकारी का प्रसार पम्पलेट वितरण पोस्टर बैठक	योजना के बारें में जानकारी नहीं है। जॉब कार्ड के लिए पैसे लिए गए। पूरी मजदूरी नहीं मिलती। विकलांक व वृद्व लोगों को काम नहीं दिया जाता है। कार्यस्थल पर सुविधाएं नहीं प्रदान की जाती है।	

सार्थक नमन	टीकमगढ़		नुक्कड़ नाटक		
	बैतूल	गुजरमाल	135 महिला एवं पुरूषों के साथ` बैठक आयोजित की गई	काम जो 100 वर्ग फिट का दिया जा रहा है । उसे पूरा करने के बाद मजदूरी मिलेगी या एक दिन के हिसाब से ? जाब कार्ड में एंटरी नहीं कराने पर क्या 100 दिन का काम फिर से मिल सकेगा ।	योजना की प्राथमिक जानकारी संस्था प्रेरक द्वारा दी गई तथा गीत के द्वारा नियमों को स्पष्ट भी किया गया
		ठानी	स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों से सम्पर्क कर सभी ग्रामीणों एवं महिलाओं को कार्यक्रम के उददेश्य को बताया गया तथा उसके उपरान्त राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के सभी नियमों की जानकारी दी गई ।	गांव में छोटे छोटे कार्य स्वीकृत किये गये हैं बड़े कार्य भी स्वीकृत करये जायें । जिससे एक साथ सभी ग्रामीणों को मजदूरी मिल सके । शासकीय पड़त भूमि पर वृक्षारोपण कार्य हेतु संस्था से कियान्वयन की मांग की गई । निराश्रित वृद्व एवं विधवा व विकलांगों के लिये अलग हल्के कार्य की व्यवस्था होनी चाहिये	ग्राम सरपंच व सचिव द्वारा ग्राम सभा में इसके अनुमोदन करने पर सहमति प्रदान की गई ।
		धनोरा	संस्था कार्यकर्ता द्वारा व्यक्तिगत सम्पर्क कर मुनादी के माध्यम से ग्रामीणों को सूचित किया गया । सामुदायिक बैठक का आयोजन गीतों के माध्यम से किया गया ।	योजना का कार्य बोनी का समय होनेके कारण बंद है । बोनी के बाद बड़े काम की मांग की गई । जावरा जोड़ से ग्राम तक डामरीकरण सड़क के मुददे को ग्रामीणें ने बढ़चढ़ कर उठाया ।	समनवयक द्वारा इसकी जानकारी शासकीय अधिकारियों से लेकर ग्रामीणों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया गया ।
		धनोरी	6 समूहों के अध्यक्ष सचिव सदस्य व लगभग 64 महिला एवं पुरूषों ने ग्राम में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें पहले ही डोंडी द्वारा सूचना दी गई थी ।	ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि उनको राष्ट्रीय काम के बदले अनाज योजना` अन्तर्गत होने वाले कार्य में लगाया जा रहा है । साथ ही उनके जाब कार्ड में एंटरी भी नहीं की जा रही है । इसके बारे में जानकारी मांगी गई ।	स्पष्ट किया गया कि यह योजना राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में सम्मिलित की गई है । इसके संचालन के नियम भी एक जैसे हैं ।
		जावरा	ग्राम कोटवार से मुनादी करवा के संस्था प्रेरक	एक रवन्ती दो लोगों ने एक दिन में पूरी की । जो कि 100 वर्ग फिट की थी । जिसकी मजदूरी मात्र 61.37 रूपये दी गई ।	इसकी शिकायत ग्रामीणों ने कलेक्टर से

		द्वारा ग्रामीणो को सूचित किया गया तथा व्यक्तिगत सम्पर्क द्वारा समूहों के प्रतिनिधियों को सूचित किया गया । संस्था प्रतिनिधियों व संगीत मंडली द्वारा इस कानून को बताया गया ।	इसलिये ग्रामीणों ने कार्य बंद किया । इंजीनियर द्वारा कार्य के मूल्यांकन में विलम्ब के कारण अगली किस्त लेने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता हे।	की थी । इसके निराकरण हेतु जनपद सीईओ से बात की गई बताया 100 ग्रामों में 3 इंजीनियरों पर कार्यों का भार बहुत है। इसलिये ऐसी परिस्थितियां हैं
	टिपनापुर	बैठक का आयोजन किया जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलायें भी कार्य कर रही हैं । संस्था प्रतिनिधियों व संगीत मंडली द्वारा इस कानून को बताया गया ।	ग्रामीणों द्वारा पूरे वर्प काम की मांग की गई ?	सरपंच व सचिव द्वारा बताया गया कि इंजीनियर द्वारा कार्य के मूल्यांकन में विलम्ब के कारण काम पूरे नहीं हो पाते इसलिये नये काम शुरू करने में परेशानी है ।
	बिजासनी	इस ग्राम का कार्यक्रम योजना अन्तर्गत संचालित कार्य के साप्ताहिक अवकाश के दिन सम्पन्न किया गया इसलिये ग्रामीणों द्वारा गीत मंडली के साथ गीत सुनाये गये। जिसमें इस योजना के कानून को समझाया गया । कुल 53 महिला पुरूषों ने इसमें भाग लिया ।	मजदूरों के माह जून में जाब कार्ड नहीं भरे गये । जिसे सभी ने पूरा करने की मांग की ।	समन्वयक द्वारा समूहों के प्रतिनिधी को इसकी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी ।
	मूसारवेड़ी	इस ग्राम में 64 महिला एवं पुरूपों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें भजन मंडली द्वारा कार्यकम की शुरूआत	ग्रामीणों द्वारा सवाल पूछा गया कि एक बार आवेदन देने पर कितने दिन का रोजगार मिलेगा । क्या एक आवेदन से 100 दिन का रोजगार मिलंगा ।	इस योजना व कार्यो की जानकारी दी गई । साथ ही पोस्टर में लिरवे कानून को पढ़ना व उपयोग करना भी

			रोजगार गारंटी एक्ट से की गई ।		सिरवाया गया ।
		सिवन पाट	ग्राम सिवनपाट में कार्यक्रम के आयोजन सें पूर्व व्यक्तिगत सम्पर्क कर एवं गीत मंडली द्वारा नमन प्रेरक के माध्यम से एकत्रित किया गया कार्यक्रम में रोजगार गारंटी योजना के बारे में समझाया गया।	क्या यह कार्य हमेशा चलता रहेगा । रोजगार गारटी योजना का कार्य समूह के द्वारा किया जा सकेगा जैसे वन विभाग की भूमि पर नर्सरी तैयार कर पौधे बिक्री करना आदि ।	इस योजना वर्ग में किये गये कार्यो की जानकारी दी गई ।
		आठनेर	ग्राम आठनेर जनपद पंचायत में इस कार्यक्रम के समापन का आयोजन किया । जिसमें लगभग स्वयं सहायता समूहों के 33 महिला नेताओं द्वारा उनके ग्रामों का प्रतिनिधित्व किया गया । इसमें जनपद मुरव्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा इस योजना से संबंधित सभी प्रश्नों का निराकरण सीधे किया गया । संस्था की ओर से अध्यक्ष द्वारा प्रश्नों को व्यवस्थित किया गया ।	जनपद में कुल 100 ग्राम हैं तथा योजना के अन्तर्गत लगभग 200 कार्य स्वीकृत हैं । जिनके संचालन एवं तकनीकी मार्गदर्शन के लिये सिर्फ 3 इंजीनियर हैं । जो कि मुश्किल से प्रत्येक कार्य को देरव पाते हैं । ऐसी अवस्था में प्रत्येक कार्य का मध्यावधी मूल्यांकन समयानुसार किया जाना कैसे सम्भव हो पायेगा । क्या संस्था के इंजीनियर को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता।	मुरव्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आठनेर द्वारा नये इंजीनियरों की नियुक्ति के बारे में बताया गया । परन्तु राज्य व राष्ट्र स्तर पर इस मुद्दे को उठाने की आवश्यकता है । अन्यथा ग्रामों में कार्य न तो पूर्ण हो पायेंगे न ही नये शुरू हो पायेंगे ।
साई ज्योति संस्थान	ललितपुर	मैलवारा कला	सर्वे फार्मों को भरा गया। गॉव के सार्वजनिक स्थान (अथाई) पर महिला एवं पुरूषों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्रामीण	प्र0– यह योजना सरकारी है या प्राइवेट? प्र0– इस योजना में गांव की जनता को क्या फायदा होगा? प्र0– क्या इसमें औरतों को भी काम मिलेगा?	अधिकांश लोगों के पढे लिखे न होने से प्रधान द्वारा मनमानी करने का खतरा है।

		रोजगार गारण्टी कार्यक्रम की जानकारी दी गई। गॉव में लोक गीतों के माध्यम से लोकसागर सोसायटी कलाकरों ने कानून के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।		
	मैलवारा खुर्द	गॉव की नुक्कड सभा का आयोजन किया गया। गांव के बीच में सामूदायिक बैठक कर जानकारी दी गयी । गॉव में लोक गीतों के माध्यम से लोकसागर सोसायटी कलाकरों ने कानून के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।	प्र0– इसमें मजदूरी कितनी मिलेगी। प्र0– इसमें बच्चों को काम मिल सकता है	एन0 आर0 ई0 जी0 पी0 हेतु अलग से प्राइवेट स्टाफ रखकर उसका अनुरक्षण करवाने की जरूरत है।
	बिरारी ग्राम	परिवारों का सर्वे किया गया। बैठक के माध्यम से जानकारी दी गई। लोक गीतों के माध्यम से लोकसागर सोसायटी कलाकरों ने कानून के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।	प्र0– क्या बूढें लोगों को काम मिलेगा। प्र0– इसके पैसा कैसे मिलेगा? प्रतिदिन या फिर कब प्राविधान हो।	एन0 आर0 ई0 जी0 पी0 संबंधी समस्याओं को सप्ताह में निपटाने का कब प्राविधान हो।
	गोगला	गॉव में महिलाओं के साथ बैठक करने ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के बारें में जानकारी दी गई।	क्या इस योजना में सामान्य जाति के लोगों को भी रोजगार मिल सकता है? महिला एवं पुरूषों को समान मजदूरी दी जायेगी या अलग अलग मजदूरी का प्रावधान है।	एप0 आर0 ई0 जी0 पी0 संबंधी खर्च का विवरण प्रत्येक माह एवं खर्च सार्वजनिक स्थान पर अंकित करें।
	बछलापुर	लोक सागर सोसायटी की टीम ने लोक गीतों के माध्यम से संदेश सीधे	प्र0– क्या एक परिवार से एक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकता है? प्र0– क्या विकलांग जन भी इस योजना से लाभान्वित हो सकते	एन0 आर0 ई0 जी0 पी0 में घपला करने पर सख्त सजा का

		सीधे एवं सरल भाषा में ग्रामीण जनता तक भेजने का काम किया।	है।	प्राविधान हो।
	निबउआ मजरा	सर्वे बैठक करके राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना की जानकारी दी।	प्र0– योजना तो बहुत अच्छी है मगर सरकार की निष्क्रियता से बेकार हो जायेगी।	लोग इसे अन्य निष्क्रिय योजना की भांति ही देख रहे हैं।
	भौता (मजरा बछलापुर)	सर्वे किया गया। जानकारियों का आदान प्रदान करने के उददेश्य से बैठक आयोजित गया। इस ग्राम में विशेष रूप से पंचायत प्लान बनाने के लिये चर्चा की गई।	प्र0– ग्राम प्रधान की इस योजना में क्या भूमिका है। प्र0– छोटे बच्चे वाली महिलायें कैसे काम करेगीं। प्र0– क्या हम काम की मॉग के साथ साथ यह भी मॉग कर सकते है कि हमारे गॉव में कौन सा काम कराया जाये।	गॉव स्तर पर एक अदृश्य अनुभव समिति होनी चाहिए।
	ऐरावनी (खुर्द)	सहरिया बस्ती में चर्चा हुयी "साथी हाथ बढाना रे" कैम्पेन की चर्चा की गयी।	प्र0– विकलांग लोंगों के लिए कौन –2 काम मिलेगें। प्र0– काम की देखभाल कौन करेगा। प्र0– किसने कितनी मजदूरी की ? इसका पता कैसे चलेगा।	
	कुमरौल (मजरा)	रोजगार गारण्टी योजना के विषय में जानकारी देने हेतु समुदाय के साथ बैठक की गई । बैठक में उनको "साथी हाथ बढाना रे" अभियान की जानकारी दी गयी। लोकगीत टीम ने लोकगीतों के माध्यम से योजना की जानकारी दी।	प्र0– ग्राम प्रधान अपने खास–खास लोगों को काम देगा। प्र0– कैसे पता लगेगा कौन आदमी कितने दिन काम करेगा?	
	वंशा बम्हौरी	10 ग्रामवासियों का सर्वे किया गया। ग्राम के लोगों के साथ	प्र0– अच्छे –2 घरों के लोगों को इस योजना से फायदा होगा। प्र0– प्रधान की विरादरी एवं रिश्तेदारी के लोग ही इस योजना का लाभ उठायेगें।	

		बैठक की। लोक संगीत के माध्यम से योजना की विस्तृत जानकारी दी गई।		
	किरौदा	बैठक की गयी। साथ ही लोकगीतों के माध्यम से जानकारी दी गई।	प्र0– यदि किसी मजदूर को पूरी मजदूरी नहीं मिले तो वो क्या कर सकता है ।	
	ककोरिया	सर्वेक्षण किया गया। ग्राम के स्वयं सहायता समूहों को इस योजना की निगरानी समिति के रूप में कार्य करने के लिये प्रेरित किया गया।	प्र0– इस योजना में मजदूरी(काम) मापने का क्या तरीका है? लोगो ने बताया कि गॉव में काम शुरू हुआ है। मगर मजदूरी 50 रू0 प्रतिदिन मिल रही है एवं मानक के अनुसार काम नहीं हो पा रहा है	
	बजरंग गढ.	पंजीकृत लोगों का औचक निरीक्षण किया गया। सर्वे ग्राम में सार्वजनिक बैठक गीतों को भी कलाकारों द्वारा गाकर सुनाया गया।	प्र0– प्रधान की शिकायत करने पर प्रधान योजना से हटा सकता है।	
	बरोदिया	औचक सर्वेक्षण किया। बैठक। साथ ही एन0 आर0 ई0 जी0 पी0 गीतों के माध्यम से योजना की जानकारी दी गयी ।	प्र0– इस योजना में कौन–2 काम कराये जायेगें।	
	पठारी	सर्वेक्षण किया सर्वे गीतों के माध्यम से एन0 आर0 ई0 जी0 पी0 की जानकारी दी गयी।	प्र0– यह योजना अन्य योजनाओं से कैसे अलग है?	
	बालाबेहट	सर्वे किया गया। योजना के बारें में विस्तार से जानकारी देते हुये ”साथी	प्र0– क्या तरीका होगा कि प्रधान मनमानी न कर पायें।	

			हाथ बढाना रे” अभियान की भी जानकारी दी गयी । गीतों के माध्यम से भी योजना की जानकारी दी गयी।		
युवा	बैतूल	सेदूरजना	सरपंच की उपस्थिति में ग्राम वासियों के साथ सभा।		
श्रब	बैतुल	खारी, डोरी, डोलीढाना, दुधावानी, फूलगोहन, मलसिवनी, भुड़की, पचामा, विकाराकोयलारी, पलासपानी	समूह बैठके, नारे, दिवार लेखन, पोस्टर प्रर्दशन, नुक्कड़ नाटक	छोटे बच्चों वाली एक भी महिला को काम पर नहीं रखा जा रहा है। कार्यस्थल पर सुविधाएं नहीं है। लोगों को इस योजना के बारें में जानकारी नही दी गई। जॉब कार्ड नहीं बनाया जा रहा है।	
सरगुजा ग्रामोत्थान समाज सेवी संस्था	अम्बिकापुर	नवानगर, नवापारा, कुम्हरता, कर्रा, पम्पापुर,	रैली, स्व सहायता समूह सम्मेलन सी. बी. ओ. , पंच सरपंच सम्मेलन नुक्कड़ नाटक		
परमार्थ समाजसेवी संस्था	टीकमगढ़	अर्चरा, टपरियन, ब्रषभानपुरा, हथेरी, केशवनगर, बंधा, नंदनवाड़ा, बरेंठी,	रैली, पदयात्रा, जनसभाएं, जागरुकता गीत, दिवार लेखन	रोजगार को लेकर सवाल किए गए। बगैर फोटों लगे जॉब कार्ड वितरित किए गए है। जॉब कार्ड गॉवों में वितरित किया गया था जिसे सरपंच सचिव ने वापस ले लिया है। जॉब कार्ड में कार्य की इंट्री नहीं की गई है। विकलागों को इस योजना में काम नहीं दिया जा रहा है। योजना के बावजूद पलायन की स्थिति में कोई अंतर नहीं आया है।	

		खाकरोन, कुम्हेड़ी, दरगाएकलॉ, मस्तापुर गोंट, खैरा			
छतरपुर महिला जागृति मंच	छतरपुर	अतरार, हिम्मतपुरा, चौका	जागरुकता सम्मेलन व्यक्तिगत सम्पर्क	जॉब कार्ड नहीं बन रहा है। काम नहीं मिल रहा है।	
		खैरो	व्यक्तिगत सम्पर्क		
		बरदवाहा	जागरुकता सम्मेलन		
		इकरागोपी मात गुँवा	जागरुकता सम्मेलन, पम्पलेट वितरण		
		बुदौर, उदयनपुरवा, काशीपुरा, छिरावल	जागरुकता शिविर ,सामुदायिक बैठक	रोजगार गांरटी के पंच सरपंच तथा जे. ई के द्वारा पक्षपात पूर्ण रवैया।	
राईड	सरगुजा	भ्रदापारा, करजी, परसागुड़ी, सिंगचौरा, झिगों, कर्रा, पतरातु, कुन्दीखुर्द, बगाड़ी, नवकी	रोल प्ले, छोटी – बड़ी बैठकें, नुक्कड़ नाटक, दिवार लेखन	भ्रदापरा में पेयजल की व्यवस्था नही है। ज्यादातर कार्यो की प्रथमिकता विकास खण्ड स्तर पर ऐसी बनायी गई है जिसमें महिलाओ को कम काम मिल रहा है ।	
आरोही डेवलेपमेंट एण्ड रिसर्च सेन्टर	मण्डला	मोचा, कुटुवाही, तिलरी, अरोली सौतियां, बोदा छपरी	घर – घर सम्पर्क करके योजना के बारें में जानकारी दी। पोस्टर पम्पलेट का उपयोग, परिवारों से सम्पर्क ,	बच्चों की देखरेख के लिए किसी की नियुक्ति नहीं की जाती। कुछ घरों से जॉव कार्ड के लिए पॉच रुपये लिए गए। कई परिवारों के राशन कार्ड अलग हें लेकिन उनका जॉब कार्ड एक ही बनाया है। कम मजदूरी मिल रही है। पानी के अतिरिक्त कार्य स्थल पर कोई सुविधा नहीं है ।	

		खटिया, मानेगॉव, पटपरा,	सरपंच से सम्पर्क	भुगतान विलम्ब से मिलता है ।	
परहित	टीकमगढ़	चंदेरा, पैतपुरा कुँवरपुरा, चन्द्र पुरा, करमौरा, जरुआ, टानगॉ, शाह, बगौरा, गररौली, लिधैराताल, बम्होरी आपदा, किटाखेरा, विक्रमपुरा	रैली, पदयात्रा, दिवार लेखन, प्रेरक गीत ,आम सभा	रोजगार गांरटी में केवल 10 प्रतिशत लोगों का पंजीयन हुआ है जबकि काम केवल 2 प्रतिशत को ही काम मिला है । पंचायत सचिव , सरपंच सहयोग नहीं करते। जानकारी नहीं है।	
परिवर्तन	कबीरधाम	बंधीया खार, दैहानटोला, पिपरक छार, सजन खार, बिरजुनगर, कामटी, चाता डबरी, छपरापाड़ा उपका, अमेरा, दमगढ़	ग्रामीण सम्मेलन, नुक्कड़ नाटक, पंच सरपंच सम्मेलन , चेतना रैली	ग्राम स्तरीय योजना के निमार्ण में ग्रामीणों की भागीदारी नहीं होती है। जॉब कार्ड सरपंच , सचिव के पास जमा है , उसे लोगो में नहीं वितरित किया गया है। अनियमितता के खिलाफ शिकायत कहॉ की जाए। अमेरा, में सरपंच ने अपने रिश्तेदारों के ही कार्ड बनवाए है। इस योजना से बैगा परिवारों को वंचीत किया जा रहा है।	
इण्डकेयर	टीकमगढ़	रतनगुवॉ, पूनौल, छिपरी, बराना,	जन जागरण	मऊबुजुर्ग, में लोगों का सरपंच के प्रति आक्रोश है क्योंकि इस योजना के तहत एक काम शुरु हुआ था लेकिन उसे अधूरे में ही बंद कर दिया गया। रतनगुवॉ में जॉब कार्ड पर फोटों के नाम पर पैसा वसूला गया।	

		मातौल , बैदौउ खरोई, मरगुवॉं, कुरई, वर्माताल, मऊबुजुर्ग, वर्माडांग, धामना, दिगौड़ा		कम मजदूरी दी गई ।	
'कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर''	बलाधाट	मेंडकी भंडेरी देबरवेली, जत्ताटोला, कासूटोला, करवाही बैगाटोला परसाटोला किनारदा जत्ता	सम्मेलन, पंच सरपंचों के साथ चर्चा नुक्कड़ नाटक का प्रर्दशन स्व सहायता समूहों का सम्मेलन जिला व ब्लॉक स्तर पर ज्ञापन फिल्म रेडियो कार्यक्रम प्रदर्शन, कार्टून, सूचना स्टाल, गृह संपर्क	नियत समय पर कार्य का भुगतान नहीं किया जाता है, कार्य पूर्ण नहीं होना, कुछ परिवारों को काम मॉगने पर काम नहीं मिलना, जॉब कार्ड में कुछ जानकारी नहीं भरना और सरपंच द्वारा कार्ड रख लेना, पंचायतों द्वारा आवेदन नहीं लेना, पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा रूचि नहीं लेना, सम्पन्न कार्यों का मूल्यांकन ना होना,	

संलग्नक – दो

अभियान में शामिल संस्थाएं, जिले व गॉवों के नाम

क्रम	संस्था का नाम	जिला	पंचायत / गॉव
1	**आशाग्राम ट्रस्ट, बड़वानी**	बड़वानी	सेमल्दा, भमोरी, सेमल्दा डेब, भमोरी, हतोला, कोयडिया, सजवाय, सुराना, बजट्टा,, बांदरकच्छ, उचावद, बिलवा डेब, हतोला , बजट्टा सुराना, कोयडिया, सेमल्दा डेब, भमोरी, हतोला, कोयडिया, सजवाय, सुराना, बजट्टा,, बांदरकच्छ, उचावद, बिलवा डेब
2	**जागृति सेवा संस्थान** , अभनपुर	राजनंदगॉव	कौड़ीकसा , करमतरा , गोपलीनचुवा , जिर्राटोला , बड़ेकलकसा , कौड़ीकसा , नेतामटोला , गोटुलमुण्डा , हितकसा, बोईडीह , करमतरा , खुर्सीरिकुल, देवरसौर, गोपलीनचुवा , पथराटोला , नेतामटोला , अरजकुण्ड करमतरा
3	**नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वीमन चाइल्ड एण्ड यूथ डेव्हलपमेंट**	मण्डला	––
4	**संभव समाज सेवी संस्था**	छतरपुर	मऊमशनिया, पहाड़ी बावन, पहाड़ी,, सपौहा,, अकौना,, धौगुवां, पहरा पुरवा, धवाड़ , धौगुवां, महिलवार, अकौना, सेंगरू सपौहा, ढोगी
5	**उघेगिनी**	मण्डला	बारवती, जेवरा, बनार, सुखराम, मुदादीन रैयत, उमर डीह, दूनगरिया, खुकसर, मुदाडीह माल
6	**लोक शक्ति**	राजनंद गॉव	
7	**तरुण संस्कार**	मण्डला	ग्वारा, मंगा, टिकरिया, घुधरी, चुरिया, सहजर, बनियां, सुरहली , कुसमी, छिवला टोला, गजराज , बीजा दाण्डी सलवाह, डेबरी, बेरपानी, पापरी खुर्द , समरनपुर, ओरिया, चितोरा, चौकी माल, बनग्राम चौकी, देवरी, सोधन पिपरिया, धनवाही

8	इंस्टि्टयुट फॉर सोशल सर्विस एण्ड रुरल डेवलेपमेंट	बैतुल	सेल्दा, मेंडाखेड़ा, खपरवाड़ी, डुमकारैयत, बोंदरी, सीतल झिरीं, चिरोटिया, तारा, आवरिया, धीसी बागला
9	मार्गदर्शन संस्थान	सरगुजा	करगी डीह, खालपोडी, उपर पौडी, चिरगा, अमगॉव, करेसर, ससौली, डहोली, बहेराडीही, कराकी .
10	सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था	बैतुल (भैंसदेही)	खापा , गदरा झिरी, गुन घाटी, खोमई , पिपलनाकलॉ, पिपलना खुर्द , खटगड, पाटाखेड़ा, साकली, सुपाला, बोथी , कोका ढाना, पाटादा, टेमनी, बडाली, भुसखुम, बानूर, कोथल कुण्ड, मालेगांछ, झिरी, उदामा, काकडपानी, धार , हरिमऊ, चिखला जोड़ी, धाबा, जनोना, डेडंवा कुण्ड, रैयतवाड़ी , नत्थुढाना, अम्बाडा
11	सृजन समाज विकास समिति	मण्डला	खुर्सी पार, भीम डोगरी, चन्द गॉव, भाला पुरी, सालीवाड़ा, मोती नालाृ, खलोडी, खामरियां
12	सार्थक	टीकमगढ़	
13	नमन	बैतूल	गुजरमाल, ठानी, धनोरा, धनोरी, जावरा, टिपनापुर, बिजासनी, मूसारवेड़ी, सिवन पाट, आठनेर
14	साई ज्योति संस्थान	ललितपुर	मैलवारा कला, मैलवारा खुर्द , बिरारी ग्राम, गोगला, बछलापुर, निबउआ , जरा, भौता (मजरा बछलापुर), ऐरावनी (खुर्द), कुमरौल (मजरा), वंशा , म्हौरी, किरौदा , ककोरिया, बजरंग गढ., बरोदिया, पठारी, बालाबेहट
15	युवा	बैतूल	सेदूरजना
16	श्रब	बैतुल	खारी, डोरी, डोलीढाना, दुधावानी, फूलगोहन, मलसिवनी, भुड़की, पचामा, विकाराकोयलारी, पलासपानी

17	सरगुजा ग्रामोत्थान समाज सेवी संस्था	अम्बिकापुर	नवानगर, नवापारा, कुम्हरता, कर्रा, पम्पापुर,
18	परमार्थ समाजसेवी संस्था	टीकमगढ़	अर्चरा, टपरियन, ब्रषभानपुरा, हथेरी, केशवनगर, बंधा, नंदनवाड़ा, बरेंठी, खाकरोन, कुम्हेड़ी, दरगाएकलॉं, मस्तापुर गोंट, खैरा
19	छतरपुर महिला जागृति मंच	छतरपुर	अतरार, हिम्मतपुरा, चौका खैरो बरदवाहा इकरागोपी मात गुँवा बुदौर, उदयनपुरवा, काशीपुरा, छिरावल
20	राईड	सरगुजा	भ्रदापारा, करजी, परसागुड़ी, सिंगचौरा, झिगों, कर्रा, पतरातु, कुन्दीखुर्द, बगाड़ी, नवकी
21	आरोही डेवलेपमेंट एण्ड रिसर्च सेन्टर	मण्डला	मोचा, बोदा छपरी, कुटुवाही, तिलरी, अरोली सोतियां, खटिया, मानेगॉव, पटपरा,
22	परहित समाज सेवी संस्था	टीकमगढ़	चंदेरा, पैतपुरा कुँवरपुरा, चन्द्र पुरा, करमौरा, जरुआ, टानगॉ, शाह, बगौरा, गररौली, लिधैराताल, बम्होरी आपदा, किटाखेरा, विक्रमपुरा
23	परिवर्तन	कबीरधाम	बंधीया खार, दैहानटोला, पिपरक छार, सजन खार, बिरजुनगर, कामटी, चाता डबरी, छपरापाड़ा उपका, अमेरा, दमगढ़
24	इण्डकेयर	टीकमगढ़	रतनगुवॉं, पूनौल, छिपरी, बराना, मातौल , बैदौउ खरोई, मरगुवॉं, कुरई, वर्माताल, मऊबुजुर्ग, वर्माडांग, धामना, दिगौड़ा
25	‘कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर’’	बलाधाट	मेंडकी भंडेरी देबरवेली, जत्ताटोला, कासूटोला, करवाही बैगाटोला परसाटोला किनारदा जत्ता

संलग्नक – दो

रोजगार गारण्टी कानून सप्ताह में प्रयोग किये गये नारे

”एक मांग, एक आन्दोलन एक जूनून, रोजगार गारण्टी कानून
”हमारा पैसा हमारा हिसाब“
”जीने का अधिकार, जानने का अधिकार“
”सूचना का अधिकार, अपनाओ,भ्रष्टाचार को दूर भगाओ“
”आया सूचना का अधिकार, मिटाने सारा भ्रष्टाचार“
”सारा देश का एक ही नारा, काम का अधिकार हमारा“
”देश की जनता मॉग रही है, सारे पैसो का हिसाब“
”जानों समझो काम में लो, सूचना का अधिकार “
”लोक तन्त्र का मूल अधिकार, सूचना का जन अधिकार“
”देश बचाओ, देश बनाओ“
”चाबी ऐसी जो खोले ताला, सामने लाये हर घोटाला“
”हम अपना अधिकार मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते“

नारे –

हर हाथ को काम दो,	**काम का पूरा दाम दो ।**
100 दिन का काम,	**अब कानूनी अधिकार ।**
गारंटी, गारंटी..........,	**100 दिन के काम की गारंटी ।**
रोजगार गारंटी की बात,	**अब सबके साथ।**
जो काम मांगेगा,	**वही काम पायेगा ।**
हमारे गॉव में ही है काम,	**पर करनी पडेगी काम की मॉग ।**
अब नही रहेगा कोई बेकार,	**सब को मिलेगा 100 दिन का रोजगार ।**
हर हाथ को मिलेगा काम,	**पर करनी पडेगी काम की मॉग ।**
गॉव गॉव में काम मिले,	**काम का पूरा दाम मिले ।**

<u>ग्रमीण रोजगार गांरटी योजना अभियान नारा</u>

1. गांव में 100 दिनों का रोजगार अब कानूनी अधिकार है।
2. हर हाथ काम देना होगा ।
3. हम अपना अधिकार मांगते – नहीं किसी से भीख मांगते ।
4. 100 दिन की काम नही मिलने पर – बेरोजगारी भत्ता लेके रहेगें ।
5. ग्राम सभा के सहमति बिना कोई काम नहीं होने दो – नहीं होने दो ।
6. हमारे गॉव में हमारा राज – मजदूर किसान एकता जिन्दाबाद – जिन्दाबाद ।
7. नारी के सहयोग बिना – हर बदलाव अधूरा है ।

संलग्नक – तीन

पूर्व विवादित परन्तु अब सफल ग्राम टेमुरनी

ग्राम की भैागोलिक स्थिति :

यह ग्राम विकास रवण्ड आठनेर के दो गोकुल ग्रामों में से मुलतई – भैंसदेही मार्ग पर आने वाला बैतूल जिले से 40 कि0 मी0 एवं आठनेर विकास रवण्ड मुरव्यालय से 08 कि0 मी0 की दूरी पर है । ग्राम में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग समुदाय निवास करता है । मुरव्य आय का साधन रवेती, पशु पालन एवं रवेती आधारित मजदूरी है ।

ग्राम की प्राथमिक स्थिति :

ग्राम में रवेती वर्पा पर आधारित होने के कारण गरीबी है । यहां न तो कोई स्टाप डेम न ही जल संरचनाओं का निर्माण किया गया था । ग्राम में मजदूरी की भी 8 माह कमी रहती है । ग्राम में आपसी विवादों के कारण कोई योजना संचालित नहीं हो सकी ।

नमन सेवा समिति का प्रवेश :

नमन सेवा समिति को ग्रामीणों के साथ बैठने का पुराना अनुभव है । इसलिये यहां संस्था को कार्य करने के लिये आमन्त्रित किया गया है । संस्था द्वारा इस ग्राम की कार्ययोजना बनाकर शासन को सौंपी गई साथ ही इस ग्राम में एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया । इस समूह के सभी सदस्य अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग की महिलायें हैं।

संस्था का उददेश्य इस ग्राम के सबसे गरीब 50 परिवारों की आय में वृद्वि करके उनको समाज में एक सम्मानित व सशक्त दर्जा प्रदान करने में सहयोगी बनना था ।

उपलब्धियां :

जब इस ग्राम में पैक्स कार्यक्रम की शुरूआत हुई तो इस समूह के अलावा 4 अन्य समूहों का गठन हो चुका था । परन्तु समूहों की क्षमता वृद्वि या कामकाज शुरू करने के लिये संस्था को साधन उपलब्ध नहीं थे। तथा समूह की बैठक में हमेशा काम धंधे की बात की जाती थी क्योंकि यह समूह अब अपने परम्परागत कर्जों से मुक्त हो चला था । इसी दौरान 3 समूहों को बैंक से जोड़कर गाय उपलब्ध कराई गई ।

समस्या :

परन्तु दूध बेचने के लिये डेयरी व घर के पुरूपों के लिये मजदूरी अभी भी उपलब्ध नहीं थी ।

बदलाव :

इसी दौरान समूहों की इस आवाज को एक दिन जिलाधीश के समक्ष पहुंचाने का अवसर संस्था ने उपलब्ध कराया । नतीजन गांव में दूध की एक डेयरी रवुली । परन्तु डेयरी का प्रबंधक दूध का फैट नहीं नापता था ।

समूह ने की पहल :

समूह की महिलाओं ने संस्था अध्यक्ष द्वारा पूछे जाने पर इस बात का रवुलासा किया परन्तु इस कार्य में समूह को पहल करने के लिये कहा गया और संस्था ने समूह को

अगवाही करने के लिये पीठ थपथपाई । हुआ ये कि महिलायें जनपद पंचायत आठनेर मुरव्य कार्यपालन अधिकारी के पास पहुंच गई और तत्काल मामले की जांच की गई

परिणाम :

नतीजन मामले में पशु चिकित्सक ने डेयरी प्रबंधक को कसा । और दूध का भाव 5 रू. प्रति लीटर से 8 से 9 के बीच पहुंच गया ।

पांचों समूहों की 50 महिलाओं ने स्थाई विकास के लिये कलेक्टर से पड़त भूमि पर वृक्षारोपण की मांग की । योजना का क्रियान्वयन नमन सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है

ग्राम के दोनों विरूद्व पक्षों मे समन्वय स्थापित कर राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत कई कार्य प्रारम्भ कराने में अहम भूमिका अदा की है । जिसमें छोटे किसानों के रवेत में छोटे तालाब का निर्माण, सार्वजनिक कुआं निर्माण, सड़क निर्माण आदि कार्य सम्मिलित हैं ।

Representative Case Studies

1. SHG WOMEN RESCUE WOMAN SARPANCH

Smt. Urmila Uike, Sarpanch of Bothi village, was being harassed by other male members as she was a conscientious worker. She had done good work and had constructed roads and well for drinking water. The male members could not bear this effort by Urmila. They began making false reports and went on a propaganda drive, with the result that one day, the panchayat accounts and records were seized.

A no confidence motion was planned against her. She, however, did not give to the machinations of her male colleagues, especially in their effort to get a ‘cut’ in all developmental work under the panchayat. A big support to her was Dr. Upma Diwan Executive Chairman, SIRDI, and all the women in the SHG, who were also properly oriented and made aware of the rights of panchayat members and the Sarpanch’s responsibilities.

The SHG women extended their full support to the Sarpanch as every one had already seen through the motive behind such the no-confidence motion. The motion was defeated and the Sarpanch till this day, bears no grudge and is working hard and with greater zeal for the development of her village. She takes keen interest in SHGs of adjacent villages. Dr. Upma Diwan helps these groups in sustaining economic activity and helps them understand the intricacies of doing business through short training programmes on various socio-economic issues and demystifying panchayat activities.

Case Study

2. SIRDI & SHG Women - Organic Agriculture For A Livelihood

Women SHGs of Khapa have been looking for a sustainable economic activity to better their earnings as single cropping is only a means of eking out a living. Most of the time after the monsoon crop, people of this village largely migrate to Maharashtra to work in orange orchards and picking cotton. To save themselves from this arduous and unsettled life every year, the women decided to undergo a training organized by SIRDI.

Dr. (Mrs.) Upma Diwan has initiated capacity building of these women through activities like organic agriculture and preparation of compost, bio-culture and relevant rural technology. Such training programmes have encouraged SHG women to undertake their own small scale operations not only for their own use but also for selling it to others.

Looking at the SHG initiative and the positive response, other women have also shown keen interest in the activity, and now the whole village has taken up organic farming guided by Dr. Diwan and other similar specialists. These specialists also visit these villages regularly. This has naturally created quite a furor and interest in the adjacent village of Dhyawani, and women from the SHG there have also begun to attend SIRDI training programmes. These women are now in the process of making their own culture and compost. Thus, the small initiative taken by Dr. Upma Diwan has now resulted in about 80-odd families take up organic agriculture soon after last year's monsoons in these two villages. They have adopted this methodology in about one acre of their farmland and produce organic 'moong', 'tuar' and 'urad' pulses. This will give them not only better yields but also better quality food and other produce. SIRDI will help these farmers in certification of their organic produce once the use of chemical fertilizers and pesticides in these village is totally brought to a halt.

संलग्नक – चार

रोजगार गारण्टी से सम्बन्धित गीत जो स्थानीय भाषा एवं रागों में तैयार किये गये तथा यात्रा के दौरान लोगों तक संदेश देने के लिये प्रयोग किये गये।

लोकगीत (1)

सौ दिन काम करों मोरे भैया, ऐसों मौका नै टारौं।
खर्च चलें जा सें प्यारों।।
1. साल भरें में सौ दिन काम, साठ रूपया दिन दाम।
पनें गॉव से पॉच किमी तक, गेरउॅ काम मिले सारो............
खर्च चले जा से प्यारों........
2. गॉवन–गॉवन सडकें बननें, कउॅ–कउॅ बंदिया तला भी डरनें।
काम मिलें हर घर हरेक खों, होजै वारे सें न्यारो.........
खर्च चले जा से प्यारों......
3. काम करैं सें रै खुशयाली, मनें दशहरा उर दीवाली।
हर घर में सब सुख सें रैहै, सब घर को हो निस्तारो......
खर्च चले जा से प्यारों......
4. गारण्टी से सौ दिन काम,शासन का ऐसा ऐलान।
अब हरेक को काम मिलेगा, जुर मिल जाखों कर डारो.....
खर्च चलें जा सें प्यारों......
5. कछू जनें भडकारये भारी, कत कै अब इराक की बारी
सौ कोनउ खौं इराक नैं जाने, घरई पै रैहै घरवारो.......
खर्च चलें जा से प्यारों........

लोक गीत (2)

हमें बातन में काउ की नै ऑवनें, सौ दिन कों काम चॉवनें।

1. सौ दिन मिलने सब खो काम,अठ्ठावन रूपया दिन दाम।
   हमें गॉवन–गॉवन में बताउनें, सौ दिन को काम चॉउनें....
   हमें बातन में........................
   सबखों करनें गॉव में काम, कररये कछू जनें बदनाम।
   हमें बाहर कितउ कउ ना जॉवनें, सौ दिन को काम चॉवने
   हमें बातन में ....
   पॉच किलोमीटर तक काम, दिन डूबें घर आओ शाम।
   हमें खुशहाली घर–घर ल्यॉवनें, सौ दिन को काम चॉवनें....
   हमें बातन में..........
   कक्का कैरई जा सरकार, गारण्टी है काम अपार,
   सुनलो भारत के नरनार.........
   हमें योजनाओं को लाभ सब उठॉवनें, सौ दिन कों काम चावॅनें.......
   हमें बातन में.............
   घर में मौडा–मौडी चार, काम करें में सबरों सार
   करलो भैया खूब विचार।
   हमें घर के स्तर खों उठावनें, सौ दिन को काम चाउॅने
   हमें बातन मे.....................

लोक गीत (3)

1. गारण्टी से कामं, गारण्टी से काम
   सौ दिन सब खौं है काम रे।
2. सब खौं करने काम, सबखों करने काम
   कोनउ खों बाहर न जानें।
3. जा–जा करियों काम, जा–जा करियो काम
   घर से किलोमीटर पॉच नौ।
4. स्तर उॅचों उठाओ, स्तर उचों उठाओं
   अठ्ठावन रूपया दिन काम के।
5. कक्का सुनलो काकी सुनलो, दद्दा बाई सुनलो।।
   सॉची कैरई सरकार, सॉची कैरई सरकार।
   सौ दिन मिलें सब खों काम रे।
   हर घर की हालत सुधरेगीं, हुइये कछू सुधार।।
   करलो सौ दिन काम, करलो सौ दिन काम।
   अठ्ठावन रूपया दिन रोज के।
   झूॅठी अफवाहें फैलारये, जाने अब इराक।।
   सब में झूॅठों प्रचार, सबमें झूॅठों प्रचार।
   सबखों इतई काम करने।

लॉगुरिया–(लोकगीत 4)

सौ दिन गारण्टी सें काम, मजूरी करलै लॉगुरिया।

1. पने गॉव से पॉच किमी0 तक, सब खों करने काम।
   अठ्ठावन रूपया दिन मिलने, घर लौटों सब शाम।।
   सौ दिन गारण्टी से...........
2. जॉब कार्ड पंचायत देगी, अकिंत होगा काम।
   सात दिना के अन्त में, सब खों मिल हैं दाम।।
   सौ दिन गारण्टी से.........................
3. हर घर से इक काम पै जावै, शासन दैरओ सुविधा।
   महिला पुरूष मजूरी करवें, कौनउ नइयॉ दुविधा।।
   सौ दिन गारण्टी से................
4. अफवाहों से न घबराना, सुनलो मोरे भाई।
   पनें गॉव में काम करों सब, रोजउ करो कमाई।।
5. गॉव–गॉव में काम करो सब, नही फिरो बेकार।
   अफवाहों से दूर रहो सब, खूब मिले रोजगार।।
   सौ दिन गारण्टी से.................
   सौ दिन गारण्टी से काम, मजूरी कर लै लॉगुरिया

लोकगीत– 5 (अक्ती)

झूंठी अफवाहें फैलाई री, कौनउ खौं बाहर नै जाने
बाहर नै जाने काम घरई मिल जाने
1. राजा खों कैसे समझाउ री, जे राजा हरकी नै माने
बाहर नै...................
2. सौ दिन के काम खों मनाउ री, जे सैंया हरकी नै माने
3. बातन में काउ की न आओ री, अठ्ठावन रूपया दिन चाने।

लोकगीत (फॉग)

भैया मोरे सौ दिन को काम, जौ तुमे मिले हॉ–
1. साठ रूपया दिन दाम, मिलजुल करियों सबरे काम।
2. सॉची कैरई जा सरकार, कछूना करियो सोच विचार।
3. लगातार चौदह दिन काम, भैया लइयों गिन–गिन दाम।।

लोकगीत 6 (बैरागी लला)

मोरी सुनलो कका–2 सौ दिन कौ काम मिलें करों नै हका।
1. लगातार चउदा दिन मिलें सब खों काम।
अठ्ठावन रूपया दिन मिलें नगद दाम।।
मोरी सुन लो कका...............
2. पॉच किलोमीटर तक करियों तुम काम।
संजा के घर आके करियों आराम।।
मोरी सुन लो कका..................
3 शासन ने देखो जा योजना चलाई, गॉवन–2 में जा कै दइयो बताई।
मोरी सुनलो कका.........................

गाने / गीत 7

विपदा सारी हटाई गारंटी रोजगार की आई ।
बेरोजगारी भगाई गारंटी रोजगार की आई ।।

जॉब कार्ड बनाना पड़ेगा ।
फोटो मुरिवया का लगाना पड़ेगा ।।

महिलाओं की ये भागीदारी ।
काम करो अब नर नारी ।।

पंचायत में जाना पड़ेगा ।
आवेदन लगाना पड़ेबा ।।
फिर रोजी मिल जाई. ....

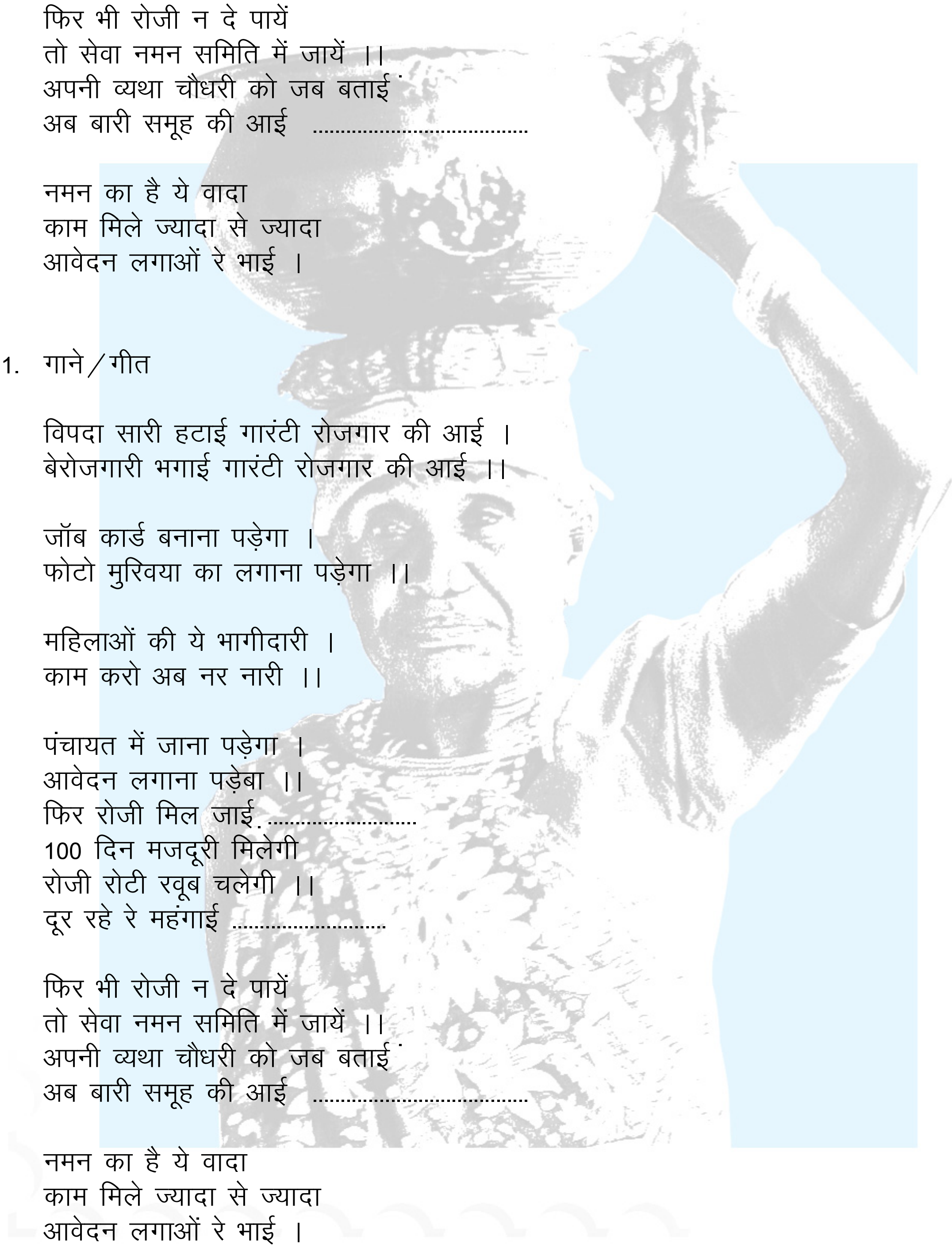

100 दिन मजदूरी मिलेगी
रोजी रोटी रवूब चलेगी ।।
दूर रहे रे महंगाई ....

फिर भी रोजी न दे पायें
तो सेवा नमन समिति में जायें ।।
अपनी व्यथा चौधरी को जब बताई
अब बारी समूह की आई ....

नमन का है ये वादा
काम मिले ज्यादा से ज्यादा
आवेदन लगाओं रे भाई ।

1. गाने / गीत

विपदा सारी हटाई गारंटी रोजगार की आई ।
बेरोजगारी भगाई गारंटी रोजगार की आई ।।

जॉब कार्ड बनाना पड़ेगा ।
फोटो मुरिवया का लगाना पड़ेगा ।।

महिलाओं की ये भागीदारी ।
काम करो अब नर नारी ।।

पंचायत में जाना पड़ेगा ।
आवेदन लगाना पड़ेबा ।।
फिर रोजी मिल जाई. ....
100 दिन मजदूरी मिलेगी
रोजी रोटी रवूब चलेगी ।।
दूर रहे रे महंगाई ....

फिर भी रोजी न दे पायें
तो सेवा नमन समिति में जायें ।।
अपनी व्यथा चौधरी को जब बताई
अब बारी समूह की आई ....

नमन का है ये वादा
काम मिले ज्यादा से ज्यादा
आवेदन लगाओं रे भाई ।

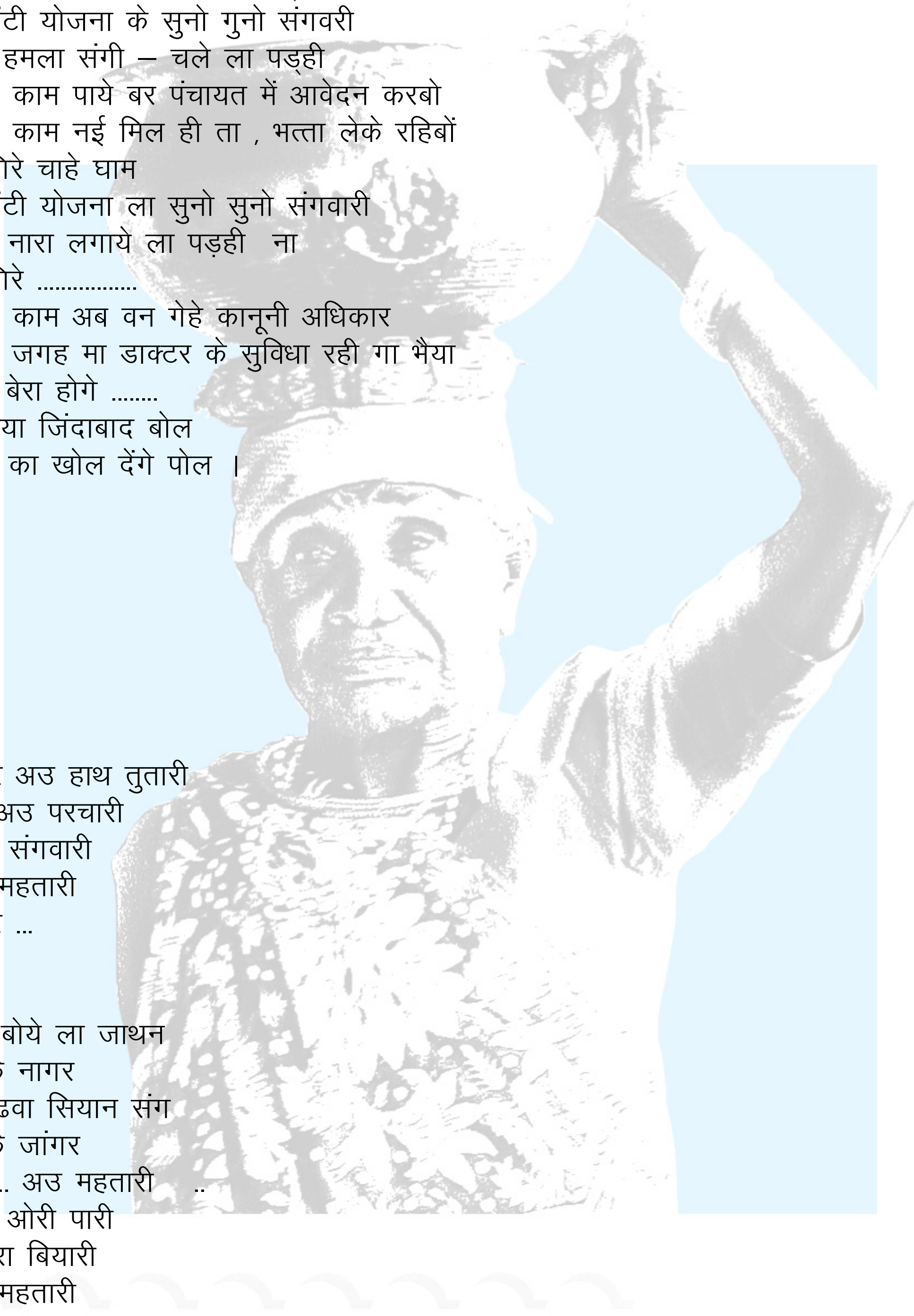

(10)

अब लड़े के बेरा होगे , लडे ला पड़ही ना
चाहे पानी गिरे चाहे घाम , सहे ला पड़ही ना
रोजगार गारंटी योजना के सुनो गुनो संगवरी
एकता होके हमला संगी – चले ला पड़ही
100 दिन के काम पाये बर पंचायत में आवेदन करबो
100 दिन के काम नई मिल ही ता , भत्ता लेके रहिबों
चाहे पानी गिरे चाहे घाम
रोजगार गारंटी योजना ला सुनो सुनो संगवारी
इन्कलाब के नारा लगाये ला पड़ही ना
चाहे पानी गिरे ....
100 दिन के काम अब वन गेहे कानूनी अधिकार
काम करे के जगह मा डाक्टर के सुविधा रही गा भैया
अब लड़े के बेरा होगे ....
बोल बोल भैया जिंदाबाद बोल
चीरो दलाले का खोल देंगे पोल ।

(11)

हो .. हो ..
आ ... आ ...
खांद म नांगर अउ हाथ तुतारी
जुडा नाहना अउ परचारी
ये बइला मोर संगवारी
ये माटी मोर महतारी
खांद म नांगर ...
हो हो ओ ...
आ ....
आये आसाड़ बोये ला जाथन
खेत म धर के नागर
का लइका बुढवा सियान संग
तोर कमाय के जांगर
बोनी ओरक ... अउ महतारी ..
सबो कमाथन ओरी पारी
आथन हम बेरा बियारी
ये माटी मोर महतारी
खांद म नांगर
देवी देवता ये धारती महतारी
येकर पूजा करथन
ये माटी मोर महतारी येमाटी ....

येकर पंइया परथन
मोर बिंदा वन ... खेली बाड़ी
चेचका कुरिया महल अटारी
नई जावन पर के दुवारी
ये माटी मोर ....
डिपरा परिया भर्री ला हम
खन के खेत वनाथन
लहु पसीना रोज पोंछ के
धान महु उपजाथन
मुडमा झऊहा अउ कुदारी
जियत भर के संगवारी
ये करे भरोसा मोर देवारी
ये माटी मोर ....

(12)

समूह द्वारा गीत प्रस्तुत

सबके बने जॉब कार्ड है।
काम इतैई मिल है दिल्ली जाओ न।
सौ दिन मिल है काम सबई का
ई में शंका नईया
काम इतई पै मिले सबई का
भैजी हो या भईया।
सौ दिन मिलने काम इतै पै
और अधिकारौ भत्ता।
मिलै शासन से रूपया।
काम इतैई मिल है दिल्ली जाओ न।
काम पै मिलने जूड़ों पानी
और दवाई बीमा
बच्चन कों झूलवे कों झूला
और दवाई बीमा।
सबके बने जॉब कार्ड है।
काम इतैई मिल है दिल्ली जाओ न।

नुक्कड़ नाटक

रोजगार गारंटी सप्ताह के दौरान ग्राम वासियों को विशेशतः मजदूर वर्ग तक राश्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना की संपूर्ण जानकारी पहुँचाने एवं विभिन्न प्रकार की भ्रांतियों को दूर करने के लिए नुक्कड़ नाटक का उपयोग किया गया । नाटक में स्थानीय बोली का उपयोग किया गया ।

इसमें सामान्यतः गाँव में लोगों द्वारा उठाये जाने वाले सवालों के उत्तर देने का ध्यान रखा गया । सवाल–जवाब पद्धति के माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ता एवं 4 ग्रामीणों के वार्तालाप/संवाद द्वारा सरलता एवं सहजता से योजना की जानकारी दी गई तथा विभिन्न प्रकार के भ्रांतियों को दूर किया गया ।
दृश्य/वातावरण :– सामाजिक कार्यकर्ता अपनी साईकिल से गाँव में आता है । गाँव के बीच में नीम का पेड़ हैं, जिसके चारों ओर चबूतरा है जिसके नीचे कुछ ग्रामीण लोग बैठे हैं ।

सामाजिक कार्यकर्ता – राम–राम भैया ! राम–राम दादा !

ग्रामीण – राम–राम ! राम–राम !

कार्यकर्ता – आज आप लोग नीम के नीचे क्या कर रहे हों ? क्या काम पर नहीं गए ?

1. ग्रामीणी – आज सकेट्री साहब ने काम पर नहीं लगाया । वे कह रहे थे कि तुम्हारा सप्ताह हो गया है, अब तुम्हें फिर कभी लगा लेंगे ।

कार्यकर्ता – मजदूरी के पैसे मिल गए ?

2. ग्रामीण – अभी नहीं मिले । वे कह रहे थे कि पैसे अभी आए नहीं हैं, 5–6 दिन में आ जाएँगे तब दे देंगे ।

कार्यकर्ता – 1 दिन के कितने रूपये मिलते हैं ?

सभी ग्रामीण (4)– 50 रु. मिलते साहब ।

कार्यकर्ता – अरे ! और पहले कितने मिलते थे ?

3. ग्रामीण – पहले बाबूजी 45 रुपया देते थे अब 5 रुपया ज्यादा ....
50 रुपया दे रहे हैं ।

कार्यकर्ता – आप सभी खुश हैं ?

चारों ग्रामीण – हाँ साहब, 5रुपये ज्यादा मिलने लगे ।

कार्यकर्ता – क्यों भाई ! आपके जॉब कार्ड मिल गए ?

पहला ग्रामीण – कैसे जॉब कार्ड, हमें तो अब तक नहीं मिले ।

कार्यकर्ता – नहीं मिले ! तो कहाँ रखे हैं ?

दूसरा ग्रामीण – अरे हाँ । देखा तो है, वे सरपंच के घर रखे हैं ।

तीसरा ग्रामीण – लेकिन, इससे क्या मिलेगा ? गेहूँ, चावल, भाक्कर या मिट्टी का तेल !

कार्यकर्ता – अब एक परिवार को 1 वर्श में 100 दिन का काम अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाएगा । जितने दिन आप कर लेंगे, उतने दिन इसमें दर्ज किए जाएँगे ।

चौथा ग्रामीण – अच्छा महाराज ! आपने अच्छा बताया, नही तो हम सोचते थे कि यह भी रा ान कार्ड की तरह है ।

कार्यकर्ता – क्या काम करने के लिए आप लोगों ने आवेदन दिए थे ?

सभी – नहीं, किसी ने नहीं दिए ।

तीसरा ग्रामीण – सरपंच ने कहा था चेक डेम पर आ जाना । हमस सब गए और काम पर लग गए । सरपंच ने यह भी कहा कि तुम्हें कार्ड का क्या करना है ? तुम तो काम पर जाओ । हम सब दर्ज करते रहेंगे ।

कार्यकर्ता (बुजुर्ग व्यक्ति से) – आपका जॉब कार्ड बना दादा ?

दादा – हाँ ।

कार्यकर्ता – उस पर आपके परिवार के सभी लोगों के नाम हैं ?

दादा – हाँ सरकार । आपने कही कि एक परिवार को 100 दिन काम मिलेगा । हमारे तीन लड़के और बहू हैं । क्या हमें 400 दिन काम मिलेगा ?

कार्यकर्ता – नहीं दादा ऐसा नहीं है कि आपके 1 कार्ड पर 400 दिन काम मिलेगा ।

सभी ग्रामीण – हाँ ! तो फिर कैसा है ?

कार्यकर्ता – देखो भैया, सब लोग ध्यान से सुनो – 1 जॉब कार्ड 1 परिवार के लिए बना है । 1 परिवार मतलब पति, पत्नी और बच्चे । इतने के लिए 100 दिन का काम है । अब जो परिवार एक साथ रहते हैं या जिनका सर्वे के समय एक ही परिवार में नाम दर्ज है उनका 1 ही जॉब कार्ड बना है । इसके लिए पंजीयन की प्रक्रिया है । इसके लिए सचिव, ग्राम पंचायत तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत को आवेदन किया जाता है । अलग से पंजीयन होने पर ही दूसरा जॉब कार्ड मिलेगा ।

काम की आव यकता महसूस होने पर सचिव को आवेदन देना पड़ेगा तथा पावती लेनी पड़ेगी ।

(कार्यकर्ता द्वारा प्रपत्र समझाया जाता है) पावती से पता चलेगा कि हमने कब काम माँगा था । इससे आपको 14 दिन के अंदर काम अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाएगा । यदि ऐसा नहीं हुआ, तो आप बेरोजगारी भत्ते के हकदार हो जाओगे । लेकिन, पावती न रहने पर आपके पास ि ाकायत का कोई आधार नहीं रहेगा ।

चौथा ग्रामीण – मतलब चाहे हम काम पर जाएँ, चाहे हमारी पत्नी या लड़का । कुल मिलाकार 100 दिन होता चाहिए ।

कार्यकर्ता – हाँ...। अब आप समझ रहे हो ।

पहला ग्रामीण – भाई साहब ! हमें यह बताओ कि हमारे दद्दा 70 वर्श के हैं, उनका जॉब कार्ड बना है । क्या दादा, दादी को काम मिलेगा ?

कार्यकर्ता – हाँ । वे आवेदन लगाएँ । इसके बाद पंचायत इनके हिसाब से बच्चे खिलाने, मजदूरों को पानी पिलाने आदि के कार्य के लिए रख सकती है । और इसी प्रकार अगर कोई विकलांग भी आवेदन कर काम की मांग करेगा तो उसे भी उसके हिसाब से काम दिया जाएगा ।

दूसरा ग्रामीण – तो ऐसे लोगों को मजदूरी तो कम मिलेगी ।

कार्यकर्ता – नहीं । सभी को समान मजदूरी मिलेगी । वृद्ध, विकलांग, स्त्री, पुरूश सभी को 61.37 रुपये ही मिलेंगे ।

सभी ग्रामीण (चौंककर, आ चर्य से) – तो क्या महाराज, मजदूरी 61 रुपया है ?

कार्यकर्ता – हाँ, आपलोगों को 5 रुपये बढ़ा के नहीं 10 रुपये कम करके दिए जाते हैं ।

(कार्यकर्ता की नजर तीसरे ग्रामीण के पैरों में बँधी पट्टी की ओर जाती है)

कार्यकर्ता – आपके पैर में क्या हुआ ?

तीसरा ग्रामीण – चेकडेम पर पत्थर से लग गया ।

कार्यकर्ता – पट्टी वहीं से मिली ?

चौथा ग्रामीण – क्या वहाँ पर दवा, पट्टी भी रखने का नियम है ,
कार्यकर्ता – हाँ । कार्यस्थल पर विभिन्न प्रकार की सुविधाओं का प्रावधान है जैसे – पेयजल, छाया, झूला, बच्चों की देखरेख, प्राथमिक उपचार (पट्टी, टिंचर, बुखार, दर्द आदि की दवा) । पेयजल के प्रबंध के लिए तथा बच्चों की देखरेख के लिए पुरुष, महिला रखे जाएँगे ।
समझ में आया दादा, क्या है रोजगार गारंटी !
सभी ग्रमीण – हाँ महाराज ! अभी तक ऐसा किसी ने नहीं बताया ।
कार्यकर्ता – चलें भैया, राम–राम !
सभी ग्रामीण – राम–राम !

————————

कार्यक्रम नुक्कड़ नाटक (NREGA)

दिनॉकः— 7—7—2006 स्थानः— जिर्राटोला, गोपलीनचुवा, बड़ेकलकसा
दिनॉकः— 8—7—2006 स्थानः— कौडीकसा, नेतामटोला, गोटुलमुण्डा, हिकसा
दिनॉकः— 9—7—2006 स्थानः— करमतरा, खुर्शीटिकुल, बोईडीह
पात्र संख्याः— 8
(1— सरपंच 2— सचिव 3— कोटवार 4— ग्रामीण मजदूर)

दृश्य

सचिव— ग्राम पंचायत कार्यलय में बैठकर सरपंच का इन्तजार करता हुआ
सरपंच— पंचायत में आगमन और सचिव के साथ नमस्कार कर वार्तालाप करते बैठ जाता हैं।
सचिव— सरपंच को मुख्य कार्यपालन अधिकारी की लेटर को अवगत कराता है।
सरपंच— क्या लेटर / आदेश है मुझे पढ़ के सुनाओं
सचिव— हां कहकर आदेश को पढ़कर सुनाता हैं—

प्रति
सचिव / सरपंच
ग्राम पंचायत — — — — — — — — वि. खं. अं. चौकी
विषयः— पंचायत के द्वारा गांव के समस्य परिवारों की पंजीयन हेतु
विदित हो कि राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक वर्ष में 100 दिन काम मिलना कानूनी अधिकार हैं, इसलिए ग्राम पंचायत के समस्य पविारों को जो 18—60 वर्ष आयु के अकुशल सदस्यों का पंजीयन कराकर सूची जनपद कार्यलय को तत्काल भेंजें ताकि आय लोग रोजगार के लिए न भटकें ।
सरपंच— ध्यान से सुनकर ओह.... ऐसे में तो सरकार ने हमारे गांव कि किस्मत खोल दिया अब गांव के लोग मजदूरी के ललास में नही भटकेगें क्योकि 100 दिन का तो अब गावं में ही खुलेगा।
सचिव— पंजीयन हेतु मुनादी कराना पडेगा... सर ?
सरपंच— हां... तुमने कबल्कुल ठीक कहा कोटवार से कल हि ग्राम सभा हेतु मुनादी के लिए बोल दूंगा।
कोटवार— सुनो — सुनो हो ग्रामवासियों कल दिनॉक 8—7—2006 को ग्राम पंचायत भवन में ग्राम सभा का बैठक रखा गया हैं। जिसमें प्रत्येक परिवार के सदस्यों का उपस्थिति होना अनिवार्य है हो.... सुनो — सुनो ।
किसान मजदूर— ग्राम सभा में भागीदारी करते हैं?
सचिव— राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बारे में जानकारी देते हुए प्रत्येक परिवार को रोजगार पाने हेतु पंजीयन की प्रकिया को बताता हैं, (इसी बीच ग्रामीण द्वारा शवाल)
ग्रामीण जन— इसमें गरीबी रेखा तो नही हैं
सचिव— नही—नही इसमें गरीबी अमीरीका कोई बंधन नही हैं।
ग्रामीण जन— सभी सहमत होते हैं।
सचिव— ग्राम सभा बैठक उपस्थिति पंजी में ग्रामसभा सदस्यों को हस्ताक्षर बैठक का समापन करता हैं।
ग्रामीण जन— ग्राम पंचायत कार्यलय में पंजीयन कराकर फोटो खिचाते हैं। (15 दिवस बाद)
ग्रामीण जन— मजदूरी के तलास में गांव से शहर की ओर जाने हेतु योजना बनाते हैं? और दुसरे बैग थैला लेकर गांव से निकलते हैं?
सरपंच— (प्लायन करने वालों से) कहां जा रहे हो जी ?

ग्रमीण जन– काम की तलास में शहर जा रहे है सरपंच साहब?
सरपंच– अब आप लोग प्लायन करना बंद करो क्योकि सरकार ने अब एक वर्ष में 100 दिनों की काम गांव में हि देगा।
ग्रामीण जन– कब काम देगा साहब अब हमारे पास खाने को दाना नही हैं?
सरपंच– तुम लोग एक गांव एक गांव के कम से कम 50 परिवार एक साथ लिखित में काम की मांग करो फिर आप लोगां को काम मिल जावेगा ।
ग्रामीण जन– आवेदन काहं करना होगा सरपंच साहब ?
सरपंच– पंचायत में या जनपद पंचायत में देना होगा ।
ग्रामीण जन– (प्लायन से वापस होते है) ओर काम के मांग को लेकर आवेदन तैयार करते हैं आवेदन तैयार कर पंचायत कार्यलय में आवेदन जाम किये और पावती प्राप्त करते है।
सचिव– काम की स्वीकृत आदेश को पढ़कर सरपंच को बताता हैं।
कोटवार– स्वीकृत कार्य को करने के लिए मूजादी करता हैं?
ग्रामीण जन– काम में लग जाते है?
(एक सप्ताह बाद मजदूरी का भुगतन होता हैं)
इस कार्यक्रम से ग्रामीण जनों को योजना के बारे में काफी हद तक सिखने समझने मिला ।
इस प्रकार लगातार सभी चयजितों 10 गांवों में कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें प्रत्येक गांव में लोगों के अबादी के अधार पर 40.60: लोगों की भागीदारी रही एंव स्टाफ कार्यकर्ताओं के भी सक्रीय भागीदारी रहा है ।

' संभव समाज सेवी संस्था राजनगर जिला छतरपुर म0 प्र0 ''

रोजगार गारंटी योजना पर नुक्कड नाटक

<u>नाटक की भूमिका</u>

मदारी — मेहरबान, कदरदान, पानदान, लालदान, सेवादान, शाहरूख खांन सलमान खांन, आमिर खांन, जीना, तमाम हिन्दुओं को राम—राम मुस्लिम को सलाम तो मेहरबान आपके ग्राम में पहली वार आये है। जमूरा मदारी का खेल दिखाने तो बजाओं बच्चो ताली ।

जमूरे ....जमूरे..........................जमूरे

जमूरा — जी उस्ताज

मदारी — पेट के खातिर खेल दिखायेगा। रोतो को हसायेंगा । हस्तो को रूलायेगा।

जमूरा — खेल दिखाऊंगा ।

मदारी — तो बच्चो बजाओं ताली । तो जमूरा लेट जा । जमूरे अब मैं तुझ पर जादू करने वाला हूँ लेकिन मेहरबन याद रहे यदि आप अपी मुठियां बंद रखेंगें तो मेरा जादू काम नही करेगा । तो बजाओं तालियां ।

जमूरा — उस्ताज आपका जादू काम नही कर रहा है मैं तो सांतवें आसमान पर जा रहा हूँ।

मदारी — कदरदान आप अपनी मुठियां खोल ले नही तो मेरा जमूरा खतरे में पड जायेगा तो बजाओं ताली ।

जमूरा — उस्ताज मैं अब ग्राम ....में आ गया हूँ।

मदारी — तुझे यहां कैसा लग रहा एवं दिखाई दे रहा है ।

जमूरा — उस्ताज यहां बहुत बेरोजगार लो पलायन कर रहे है। एवं बच्चे पढ नही पा रहे ।

मदारी — अच्छा जमूरे चलो चलकर देखते है। उस परिवार की स्थिति । बजाओं बच्चों ताली।

गांव में — प्रवेश

कल्लू — अपने घर वापिस आता है ।

कल्लू की पत्नी — कुछ कमा के लाये हो । जे भूखन के मारें मुन्नी और राजू रो रहे है।

मुन्नी — बाई भूख लगी है।

क्रमशः / /2/ /

कल्लू — दुखी होकर परेशान होकर चिल्लाता हुआ पत्नी को दिल्ली जाने की धमकी देता है।

पत्नी — दिल्ली नई जाने है। इते आओ हमाई सुनो हम लोगन के महिला स्वसहायता समूह में बताओ गओ कि शासन द्वारा रोजगार गॉव के लोगन खां सौ दिन मजदूरी दी जायेगी। चलो सरपंच लो ।

काम मांगवे के लाने सरपंच के यहां जाते हुये।

सरपंच — रोजगार गारंटी योजना के तहत पंचायत में 4 लाख की राशि की खबर अखवार में पडकर खुश होता हुआ ।

नन्दू (सरपंच सहायक) — सरपंच साहब आज बहुत खुशी हो क्या बात है।

सरपंच — अरे नन्दू अपनी पंचायत में देख तो पेपर में क्या खबर है कि 4 लाख रूपया का काम कराना है।

कल्लू — सरपंच के घर प्रवेश! सरपंच साहब राम—राम।

सरपंच — अरे राम —राम कल्लू ! क्या बात है। कैसे आना हुआ !

कल्लू — सरपंच साहब गॉव में स्वसहायता समूह की बैठक में बताओं गओं है कि गॉव में 100 दिन काम मिलने !

सरपंच — ये नन्दू देखतो जो कल्लू का कैरव !

नन्दू – सरपंच साहब जो तो जाब कार्ड दिखा रओं ! संग में अपनी लुगाई को लाओ है लुगाई कै रही है जो हमओ अधिकार है हमे 100 दिना को काम चाने ।

सरपंच – अपने घर के कामोमें व्यस्त और नंदू से कहते हुये की यहां कोई काम नही इन लोगों को भगा दो ।

नन्दू – कल्लू और कल्लू की पत्नी को भगाते हुये चलो यहां कोई काम नही ।

कल्लू – कल्लू और कल्लू की पत्नी वापिस घर आते हुये।

गीत – मनवां धर ले मन में धीर !
खेती पाती अंगुल नईयां !!
कैसे धरो मन में धीर !!!
लडके बच्चे भूखें मर रहे !
कैसो बुरओं तक्दीर । मनवा ....धीर

क्रमशः / /3/ /

/ /3/ /

मुन्नी – राजू, कल्लू और कल्लू की पत्नी रोते हुये ।

कल्लू – अब तो माये ई लडकन बच्चन की तक्लीफ नही देखी जात । अब तो मोये बाहर (दिल्ली) जाने । जाये में जो कर हों इन बाल बच्चन को पेट पाल हों ।

पत्नी – राजू के दद्दा सुनों तो हमाये स्व सहायता समूह की बैठक है सो चलो उतई उन भईया से बताबी वे कछू रास्ता निकाल है।

समूह के सदस्यो द्वारा बैठक शुरू

ऐनीमेटर – समूह की बैठक में प्रवेश करते हुये राम–राम दद्दा बाई हरो !

समूह सदस्य – राम – राम भइया

ऐनीमेटर – आज अपनी बैठक में हम आपके लाने रोजगार गारंटी के बारे में जानकारी देंगें ।

सदस्य – कैसी ! भइया ! योजना जो कहां से मिल है । कितनी मजदूरी मिल है और का – का सुविधायें है ई योजना में ।

एनीमेटर – भइया हरो ! ग्राम पंचायत द्वारा निशुल्क कार्ड बनाये जें है। सबके । और फिर मजदूरी के लाने तुमे आवेदन देने पड है। और भइयां यदि आवेदन देने की तारीख से 30 दिन तक यदि सरपंच काम ना दे पा है तो आप औंरन खां बेरोजगारी भत्ता मिल है। और 61 रूपया मजदूरी मिलने ! बच्चन खॅ झूले हां झूला और मजदूरी के दौरान मृत्यु होने पर या स्थाई अपेगता होने पर 25,000/– रूपये का बीमा है। भइंया ! एवं महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण यानि 100 मजदूरन में 33 प्रतिशत औरते लगावो बहुत जरूरी है। और पीये खां ठंण्डो पानी मिलने ।

कल्लू – साहब में तो सरपंच लो काम के लाने गओ तो सो उनने मौये भगा दव तो ।

ऐनीमेटर – कल्लू भइया तुमने (गांव वालन) ने काम को आवेदन दओं तो ।

गांव वाले – हओ 2 दिना पहले मौखि निवेदन करौ हतो ।

ऐनीमेटर – ठीक है कल्लू दद्दा चलो तुमाये विषय में सरपंच से बात अब हम करबी । ठीक अब बैठक समाप्त हो है। राम – राम भइया हरौ, कल्लू और ऐनीमेटर का सरपंच के घर पहुंचना ।

ऐनीमेटर – सरपंच साहब रामराम।

सरपंच – रामराम आओं कहां से भई अवाई भइया ।

क्रमशः / /4/ /

/ /4/ /

ऐनीमेटर – सरपंच साहब राम–राम हम संभव समाज सेवी संस्था की तरफ से यहां महिला समूह चला रहे है। तो आज उसकी बैठक थी इसी कारण आये सोचा कि चलो सरपंच साहब के दर्शन कर लये जायें।

सरपंच – अच्छो करो भइया और सुनाव का काम है।
एनीमेटर – सरपंच साहब तनक कल्लू दद्दा के काम के बारे में चर्चा करने थी
सरपंच – अच्छा कल्लू के बारे में !
एनीमेटर – जी सरपंच साहब
कल्लू – राम – राम सरपंच साहब
सरपंच – राम – राम कल्लू । जो सुनो ऐनीमेटर साहब इ कल्लू के बारे में मैं कछू नही कर सकत और अपुन हमाई गांव दारी में न परो ता ठीक है। और कौनऊ काम हो ता बताओं ।
एनीमेटर – अरे सरपंच साहब कल्लू बहुत गरीब आदमी है अगर पंचायत से कछू काम मिल जातो तो ठीक रातो दद्दा के बाल बच्चे पल जाते तो बहुत अच्छो होतों।
सरपंच – एनीमेटर साहब हमे बहुत जरूरी काम ध्यान आ गयो सो हमे जाने है ठीक है ता राम – राम ।
कल्लू – भइया देखों हमने तुमसें कओ तो कि सरपंच तनकऊ नइ सुनत है ।
एनीमेटर – कल्लू दद्दा त अब तो एक उपाये है के तुम जनपद पंचायत सी0 ई0 ओ0 साहब लो हो आऊते ।
कल्लू – सी0 ई0 ओ0 साहब लो और में जओं मोये तो डर लगत ।
एनीमेटर – अरे दद्दा चिन्ता न करो तुम जो आवेदन दे भर दईओं बांकी वे अपने आप समझ जैहें ठीक है।
कल्लू – ठीक है ता मै काल जनपद पंचायत जैहों ।
जनपद पंचायत में प्रवेश – कल्लू का जनपद में जाना ! सी0 ई0ओ0 द्वारा
कल्लू – जनपद बाबू सें राम राम साहब जनपद जइ कहउत है। महराज सी0ओ0 साहब मिल जैहें का
जनपद बाबू जी – हॉ दद्दा। सी0ओ0 साहब बैठे है मिल लो।

क्रमशः / /5/ /

कल्लू – साहब तकन तुम औरे संगें चलो मोये डर लगत है।
जनपद बाबू जी – चलों दद्दा । सी0ओ0 आफिस में प्रवेश सर आ सकते है।
सी0ओ0 जनपद – बोले बाबूजी क्या बात है।
जनपद बाबू जी – सर गॉव से ये दद्दा आवेदन लेकर आया है ।
सी0ओ0 जनपद – आवेदन को देखते हुये अच्छा रोजगार गारन्टी योजना में लापरवाही बाबू जी। सरपंच के लिये कारण बताओं नोटिश जारी करो।
जनपद बाबू जी – लेटर बनाते हुये और सरपंच को लेटर भिजवाना।
सरपंच – जनपद से पहुचे हुये लेटर को देखकर चिन्तित होते हुये अपने सहायक नन्दू से तें घर में देख में गॉव में तो देखू कि का होरऔ है।
नन्दू – जी सरपंच साहब। आप गॉव में देखौ में घर तकें हो।
सरपंच का गॉव में प्रवेश।
सरपंच – अरे कल्लू दद्दा धनिया, लटोरा, किशना, मइयादीन कहां गये सब आओ दद्दा हरो ।
सभी ग्राम वाले –अरे सरपंच साहब आप इते आओ–आओ बैठवों होवे । सरपंच साहब।
सरंपच – अरे दद्दा हरो अब बैटवे को समय नई रे गव अब सरकार ने रोजगार गारंअी योजना के तहत काम खोले जी में 100 दिन को काम साथ में मिलने जरूर है। अब तुमे और कऊ नही जावे पर है।
सभी गांव वाले – अरे सरपंच साहब जा तो अच्छी योजना है।

सरपंच — तो ठीक है मै अपने चेला ननदू हां समान लेके पौ चाऊत हो सो गोड बाबा की सडक में माटी डारने । सौ औजार लेके भिजवाओं उतै।

नन्दू — जी सरपंच साहब। सामान लेकर गॉव के लोगों को दद्दा बाई हरौ जो लो गैती, फावड़ा, तसला इतै खन्ती लगने है और उतै माटी डारने है।

गॉव के लोग — गॉव के लोग खुश होकर काम करते हुये

जनपद सी0ओ0 — गॉव में मौका पर मजदूरों से मिलते हुये।

कल्लू — रामराम साहब आपकी अवाई हो ही गई देखों लटोरा भइया ऐई साहब लो में जनपद गओं तो।

क्रमशः //6//

लटोरा,घसीटा — आ—रा—रा साहब रामराम पहुॅच जाये।

सी0ओ0 जनपद — रामराम दद्दा। काम मिल रहा है मजदूरी ठीक दी जा रही है यहॉ पर आप को शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था है बच्चों को झूलने की व्यवस्था , दवाइयॉ बगैरह मिलती है ।

मजदूर — अरे साहब बढिया काम मिल रओं है तीन बीसी और एक रूपइया मिल रओ है हर सप्ताह में पैसा मिल जाता है पीवे के लाने जूड़ों पानी मिलत है दवाइयॉ भी मिलत है।

सी0ओ0 जनपद — जनपद बाबू जी मजदूरों के कार्ड चैक करते हुये।

बाबू जी — साहब जॉब कार्ड एवं मस्टर रोल पर ठीक जानकारी लिखी जा रही है काम अच्छा चल रहा है। इस बार 15 अगस्त हो सरपंच साहब को ब्लाक से पुरूस्कृत करना चाहिये।

सी0ओ जनपद — हॉ बाबू जी। ऐसा ही करेंगे। अच्छा बाबू जी चलते है। सरपंच साहब रामराम।

सरपंच मजदूर लोग — साहब रामराम । ऐसई अवाई होत रैवे।